RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः176, शुक्रवार, 04 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मनीष हत्याकांड की जांच में दूसरे दिन डीआईजी पहुंचे हरसिद्धि, सभी आरोपियों से की गई पूछताछ 03

निरंतर विकास की ओर आगे बढ़ रहा है लखीसराय : विजय सिन्हा 04

गोल्डन ड्रेस में सोनल चौहान ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान 07

प्रधानमंत्री ने घाना की संसद को संबोधित किया भारत को बताया दुनिया की प्रगति का आधार स्तंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को घाना की संसद को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक संस्थानों में सुधार, लोकतंत्र को सशक्त बनाने और वैश्विक दक्षिण की प्रगति के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते भारत को दुनिया की प्रगति का आधार स्तंभ बताया और कहा कि मजबूत भारत अधिक स्थिर और स्मृद्ध विश्व में सहयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक दक्षिण की आवाज के बिना वैश्विक स्तर पर प्रगति पाना संभव नहीं है। वैश्विक संस्थानों में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विश्व नई और जटिल समस्याओं से जूझ रहा है। इसमें जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और सायबर सुरक्षा जैसी चुनौतियां शामिल हैं। ऐसे में पिछली शताब्दी में बनाए गए संस्थान आज कुछ नहीं कर पा रहे हैं। वर्तमान की चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने के लिए जिम्मेदार और प्रभावी सुधार जरूरी हैं। प्रधानमंत्री ने भारत और घाना के ऐतिहासिक संबंधों को लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बताया। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक शासन की पीड़ा से जुड़ी है, लेकिन दोनों देशों की आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निर्भीक रही है। उन्होंने घाना को लोकतंत्र, गरिमा और संकल्प की भूमि बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिए लोकतंत्र कोई प्रणाली नहीं, बल्कि एक संस्कार है। यह भारतीय समाज को हज़ारों वर्षों से प्रेरणा देता रहा है। उन्होंने भारत को नवाचार और प्रौद्योगिकी का केंद्र बताया और कहा कि यहां वैश्विक कंपनियां आकर काम करना चाहती हैं। प्रधानमंत्री ने भारत-अफ्रीका संबंधों को लोकतंत्र, समावेश और नवाचार पर आधारित बताया। साथ ही कहा कि भारत-अफ्रीका विकास साझेदारी समय की मांग हैं। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर पारिस्थितिक तंत्रों के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विविधता उसकी शक्ति है। देश में 2,000 से अधिक राजनीतिक दल, 22 आधिकारिक भाषाएं और हजारों बोलियां हैं। उन्होंने स्मरण कराया कि भारत के चंद्रमा पर उतरने के दिन भी वे अफ्रीका में थे और आज जब एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रयोग कर रहा है, तब भी वे अफ्रीका में हैं। उन्होंने बताया कि भारत शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। भारत वैश्विक नवाचार और स्टार्टअप का केंद्र बन चुका है, और 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में प्रतिष्ठित है। महिलाओं की भागीदारी विज्ञान, उड्डयन और खेल जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय स्थिति में है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों पांच देशों की यात्रा पर हैं। घाना दौरे के दौरान उन्हें देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत और घाना ने इस यात्रा में अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की है।

भारत-घाना संबंधों को मिली नई ऊंचाई, प्रधानमंत्री मोदी को वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक घाना यात्रा के दौरान भारत और घाना के द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' का नया स्वरूप मिला। यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने के लिए चार महत्वपूर्ण समझौते किए गए और प्रधानमंत्री को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया। प्रधानमंत्री मोदी और घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रमानी महामा के बीच अकरा स्थित जुबिली हाउस में उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीन दशकों में घाना की पहली राजकीय यात्रा है। बैठक में द्विपक्षीय सहयोग को नए क्षेत्रों तक विस्तारित करने पर सहमति बनी। व्यापार, निवेश, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को प्राथमिकता दी गई। भारत ने डिजिटल भुगतान प्रणाली (यूपीआई), औषधि सुविधा (जन औषधि), कौशल विकास, और वैक्सीन उत्पादन में अनुभव साझा करने का प्रस्ताव दिया।

नितिन गडकरी ने झारखंड के गढ़वा में दी दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात

- **देश का किसान अब केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता भी होगा : गडकरी**

एजेंसी, गढ़वा

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरूवार को झारखंड के गढ़वा में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और एक का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 2,460 करोड़ रुपये है। इनमें टोरी-चंदवा और गढ़वा-अंबिकापुर सड़क को मंजूरी दी गई जबकि गढ़वा बाइपास का लोकार्पण शामिल है। इस दौरान उन्होंने झारखंड में सड़क कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और उद्योगों के विकास के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने गढ़वा बाइपास का लोकार्पण करते हुए कहा कि आपको बहुत अच्छी फोरलेन सड़क मिली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति कैनेडी कहते थे कि अच्छे रास्ते होंगे, तो देश समृद्ध होगा। झारखंड खनिजों से भरपूर है। यहां के नौजवानों को काम मिलेगा, तभी विकास संभव है। उन्होंने अपने क्षेत्र की मिसाल देते हुए कहा कि हमारे इलाके में पानी की किल्लत थी, जिससे 10 हजार किसानों ने खुदकुशी की। हमने तालाब बनाकर हालात बदल दिए। मिट्टी को सड़क निर्माण में लगाया। उसी मॉडल को झारखंड में लागू करूंगा। यहां भी 1,000 तालाब बनवाए जाएंगे। उन्होंने झारखंड की तसर साड़ी और स्थानीय कला की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम साहिबगंज और गोड्डा भेजकर इन साड़ियों में झारखंडी डिज़ाइन तैयार करवाते हैं।

इनकी देशभर में भारी मांग है। यहां कारीगरी और हुनर की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस प्रशिक्षण और प्रोत्साहन की। कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने टोरी-चंदवा मार्ग और गढ़वा से अंबिकापुर तक फोरलेन सड़क को मंजूरी देते हुए कहा कि यह निर्णय स्थानीय विधायक सत्येंद्र तिवारी और सांसद बीडी राम की मांग पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सांसद बीडी राम के प्रयासों का ही यह परिणाम है कि आज यह सड़क हकीकत में बन रही है। गडकरी ने बताया कि वाराणसी से कोलकाता तक इकोनॉमिक कॉरिडोर पर फोरलेन सड़क का काम भी प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के सौंदर्गीकरण कार्य सहित गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का किया निरीक्षण

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अटल पथ होते हुये जेपी गंगा पथ पहुंचे और गाय घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के किनारे किये जा रहे पौधारोपण और सौंदर्गीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और बेहतर ढंग से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने दीघा घाट पर रूककर दीघा से सोनपुर तक जेपी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे नये 6 लेन पुल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इस पुल के निर्माण कार्य के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुल के बन जाने से पटना से सारण प्रमंडल की तरफ जानेवाले लोगों को आसानी होगी। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन को सुगम बनाने में यह पुल काफी उपयोगी होगा। साथ ही महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होगा। मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के दीघा घाट, कृष्णा घाट एवं गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों को देखा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें।

जिला मत्स्य पदाधिकारी 40 हजार रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार

एजेंसी, सहरसा

पटना से आयी निगरानी अन्वेषण विभाग की टीम गुरुवार को जिला मत्स्य कार्यालय सहरसा पहुंची। टीम ने चेंबर में ही मत्स्य पालक से 40 हजार रुपए घूस लेते जिला मत्स्य पदाधिकारी सह जिला कार्यपालक पदाधिकारी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पदाधिकारी को टीम अपने साथ पटना लेकर चली गई। जिला मत्स्य पदाधिकारी पर पिछले दिनों पटना स्थित निगरानी अन्वेषण विभाग में परिवार वाद दायर किया गया था,जिसमें जिले के कहरा प्रखंड क्षेत्र के बनगांव निवासी टुन्ना मिश्रा ने गंभीर आरोप लगाकर कहा था कि प्रधानमंत्री मत्स्य परियोजना के तहत जिंदा मछली पालन केंद्र के निर्माण में सरकार द्वारा दी जा

रही सब्सिडी के बदले 20% का कमीशन जिला मत्स्य पदाधिकारी सह जिला कार्यपालक पदाधिकारी सुबोध कुमार मांग रहे हैं। जिन्हें देने में असमर्थकता व्यक्त करने पर सब्सिडी की राशि रोक लेने की धमकी दी गई थी, जिसकी शिकायत पटना के निगरानी अन्वेषण विभाग में दिया गया था। परिवार वाद दायर होने के बाद इसकी पहले जांच पड़ताल की गई थी।

शहरी निकायों को अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए : ओम बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि शहरी निकाय लोकतंत्र की बुनियाद हैं और जनता से सीधे जुड़े होते हैं। उन्हें संवाद और आदर्श प्रथाओं के जरिए अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। सदन नियमित चले, मुद्दों पर चर्चा हो, जवाबदेही सुनिश्चित हो, यही लोकतंत्र की सच्ची परंपरा है, जिसे हमें विकसित करना होगा। ओम बिरला गुरुग्राम के मानेसर में शहरी निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती और जवाबदेह शासन के लिए शहरी स्थानीय निकायों को संवाद और आदर्श आचरण के जरिए सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निकाय प्रतिनिधि जनता से सीधा संवाद करते हैं और समस्या व संकट की सबसे पहली जानकारी इन्हें मिलती है। ऐसे में संवाद से इनका समाधान निकल सकता है। इसी सोच से संसद की संरक्षक की भूमिका को समझते हुए श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने की यह पहल की गई है। बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को उच्च स्तर पर ले जाना सभी की जिम्मेदारी है। शहरी क्षेत्रों में एक उत्तरदायी और पारदर्शी निकाय प्रणाली विकसित होनी चाहिए। सदन में प्रश्नोत्तर हों, मुद्दों पर चर्चा हो, बैठकें नियमित चलें— यह परंपरा विकसित की जानी चाहिए। साथ ही इन निकायों में जनहितधारकों जैसे बुद्धिजीवी वर्ग, पर्यावरणविद को नीतिगत प्रक्रिया और बजट निर्माण में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निकायों में समितियां बनें और संसद की तरह कार्य करें। उन्होंने उल्लेख किया कि 18वीं लोकसभा में सकारात्मक परिवर्तन आया है और सभी दलों ने सदन को चलाने की दिशा में सहयोग दिखाया है। अब रुकावट डालने वाले स्वयं समाज के प्रति उत्तरदायी होंगे।

सरकार बनी तो शिक्षा व्यवस्था में करेंगे सुधार: आरसीपी सिंह

एजेंसी, भागलपुर

भागलपुर के परिसदन में गुरुवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जनसुराज के नेता आरसीपी सिंह ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है तो सबसे पहली प्राथमिकता शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की होगी। उन्होंने कहा कि पहले गांव के स्कूलों से पढ़कर छात्र आईएएस और इंजीनियर बनते थे। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांव में पढ़ाई कर इंजीनियर बने। लेकिन आज मैट्रिक पास करने के लिए भी छात्रों को ट्यूशन की जरूरत पड़ती है। उन्होंने इसे शिक्षा व्यवस्था की विफलता करार दिया। आरसीपी सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग इसके लिए धन्यवाद का पात्र है। क्योंकि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह स्कूल का

बस्ता है, जो शिक्षा को प्राथमिकता देने का संकेत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की राजनीति में संभावित एंट्री को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि निशांत अब 25 वर्ष के हो चुके हैं और भारतीय लोकतंत्र में कोई भी 25 साल की उम्र के बाद राजनीति में आ सकता है। ऐसे में उनके आने पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

झारखंड रेल हादसा : साहिबगंज में मालगाड़ी की 18 बोगी पटरी से उतरीं

एजेंसी, साहिबगंज

झारखंड के साहिबगंज में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। इसमें पत्थरों से लोड एक मालगाड़ी बेपटरी हो गयी, जिससे कई बोगियां क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। इस दुर्घटना में मालगाड़ी की करीब 18 बोगियां पटरी से उतरकर नीचे गिर गईं हैं। मालदा डीआरएम घटनास्थल का मौका-मुआयना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साहिबगंज के बरहरवा हिल अपर साइड में गुरूवार की सुबह पत्थर चिप्स लोडेड एक

मालगाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे मालगाड़ी के डिब्बे घनी आबादी की तरफ आ गिरे लेकिन इस घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी पहाड़ पर थी। जब मालगाड़ी पहाड़ से ढलान की तरफ आने लगी तो वह अनियंत्रित होकर सरकने लगी। इसके बाद देखते ही देखते मालगाड़ी की कई बोगियां आपस में टकरा गईं और पलटकर क्षतिग्रस्त हो गईं। मालगाड़ी में पत्थर चिप्स लोड था। दुर्घटना की आवाज सुनकर गांव वाले उधर की तरफ भागे तो देखा कि एक के बाद एक मालगाड़ी की बोगियां आपस में टकरा कर पलटी हुई हैं। वहां पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

कुछ ही देर बाद वहां पर सुरक्षा बल, प्रशासनिक और रेलवे के अधिकारी पहुंच गए। उन्होंने घटना की जानकारी अपने वरिष्ठों को दी। मालदा डीआरएम मनीष गुप्ता घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। कितनी क्षति हुई है, इसका आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

तीनों सेनाओं के लिए 1.05 लाख करोड़ से खरीदे जाएंगे हथियार, डीएसी की मंजूरी

- **सभी हथियार स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित होंगे**

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को तीनों सेनाओं के लिए लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये के 10 हथियार खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इनमें बख्तरबंद रिकवरी वाहन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत कॉमन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें होंगी। सभी हथियार स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में

गुरुवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की हुई बैठक में बख्तरबंद रिकवरी वाहनों, ईडब्ल्यू सिस्टम, एकीकृत कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, सुपर रैपिड गन माउंट और सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल्स की खरीद के लिए लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसी तरह मूर्ड माइन और माइन काउंटर मेजर वेसल्स की खरीद के लिए भी एओएन दिए गए। मूर्ड माइन एक प्रकार की नौसैनिक माइन होती है, जो पानी के नीचे एक निश्चित गहराई पर बनी रहती है, जिसे एक केबल के जरिये समुद्र तल पर लंगर डाला जाता है। इन माइन को जहाजों और पनडुब्बियों को निशाना बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो किसी जहाज के संपर्क या निकटता पर विस्फोट करती हैं। मूर्ड माइन जल मार्गों की रक्षा और नेविगेशन को नियंत्रित करने के लिए एक प्रचलित और लागत प्रभावी तरीका है।

बोलेरो में लगी आग, बाल-बाल बचे लोग

एजेंसी, पलामू

गढ़वा के श्री बंशीधर नगर शहर के धुरकी मोड़ के समीप गुरुवार की अहले सुबह एक बड़ा हादसा होने से बाल बाल बच गया। हुआ यूं कि धुरकी मोड़ के समीप बोलेरो में अचानक आग लग गई। हालांकि चालक की सूझबूझ के कारण कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। सिर्फ बोलेरो गाड़ी ही धूं धूं कर जल गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि खरसोता से दवा कराकर बोलेरो वाहन सोनडीहा (सगमा) की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में वाहन से अचानक धुंआ उठने

लगा। ड्राईवर उमेश कुमार पासवान ने सतर्कता दिखाते हुये तुरंत गाड़ी को रोक दिया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। इसी बीच गाड़ी में तेजी से आग फैल गई। जिससे बोलेरो में सवार लोगों के बीच अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी।

संक्षिप्त समाचार

100 नंबर की परीक्षा में छात्रा को मिले 257 अंक

मुजफ्फरपुर। बिहार यूनिवर्सिटी में पीजी थर्ड सेमेस्टर सत्र 2023-25 में बड़ी संख्या में छात्रों का रिजल्ट गड़बड़ हो गया है। आरडीएस कॉलेज में हिन्दी की एक छात्रा को 100 में 257 अंक दे दिया गया हैं। 30 नंबर के प्रैक्टिकल में छात्रा को 225 अंक आया हैं। इसके बाद भी पास नहीं हुईं। उसे प्रमोटेड किया गया है। 150 से अधिक छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हो गया है। रिजल्ट मंगलवार की देर शाम जारी किया गया। 9000 छात्रों ने थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा दी थी। लगभग 8000 छात्रों ने परीक्षा पास किया है। हिन्दी और अंग्रेजी के छात्रों का कहना है कि उनके रिजल्ट में गड़बड़ी हुई है। विज्ञान संकाय के छात्रों ने भी गड़बड़ी की शिकायत की है। छात्र अंकित कुमार ने बताया कि पीजी थर्ड सेमेस्टर का रिजल्ट आने के बाद हमलोग परेशान है। यूनिवर्सिटी की गलती के कारण हमलोग का रिजल्ट फंस गया है। हमलोग काफी परेशान है। BRABU के परीक्षा नियंत्रक प्रो. डॉ. रामकुमार ने बताया कि मेरे संज्ञान में ऐसा मामला आया कि कुछ बच्चों को पूर्णांक से अधिक अंक मिला है। तुरंत इसकी समीक्षा की गई, तो पता चला कि एक्सेल शीट पर एंट्री होती है। कभी-कभी की-बोर्ड पर गलत टाइप हो जाने के कारण ऐसा होता है। बच्चों के अंक को सुधार कर दिया गया है। कल शाम 6 बजे ही सुधार कर दिया गया है। कंप्यूटर प्रोग्रामर को हिदायत दे दी गई है कि आप अपने प्रोग्राम को इस तरीके से बनाए की अगर पूर्णांक से ज्यादा अंक अंकित हो तो कंप्यूटर इसको स्वीकार नहीं करे। सॉफ्टवेयर में सुधार के लिए आदेश दिया गया है। अभी तक मेरे संज्ञान में RDS के दो बच्चों के अंक का मामला आया है। दोनों के अंक को सुधार कर दिया गया है।

सुबह शादीशुदा मर्द के साथ पकड़ी गई,शाम में सुसाइड किया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 16 साल की एक लड़की ने सुसाइड कर लिया। लड़की 10वीं में पढ़ती थी। सोमवार को वो घर से स्कूल के लिए निकली। लेकिन गांव के कुछ लोगों ने लड़की को शादीशुदा मर्द के साथ एक जगह बैठे पकड़ लिया। गांव वालों ने लड़की के घर वालों को सूचना दी। घर वाले मौके पर पहुंचे और दोनों की जमकर पिटाई कर दी। शाम में लड़की घर पहुंची और उसने सुसाइड कर लिया। जिस लड़की के साथ लड़की घूम रही थी, उसका नाम राजीव(22) है। उसके परिजनों का कहना है कि लड़की और लड़के के बीच 1 साल से अफेयर था। दोनों घूमने के लिए गए थे। वहीं, लड़की की मां का कहना है कि राजीव बेटी को किडनैप करके ले जा रहा था। वो मेरी बेटी को बेचना चाहता था। रास्ते में मेरे पहचान वाले ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। छात्रा और उसकी मां जब शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो 2 घंटे तक बैठाया गया। मृतका की मां के आवेदन पर केस हुआ। घटना जिले की पारू थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पढ़िए प्यार में सुसाइड के पीछे की पूरी कहानी... आरोपी राजीव की मौसी रीना देवी का कहना है कि 'करीब एक साल से लड़का और लड़की बातचीत करते थे। हम लोगों ने राजीव को समझाया कि लड़की से बात मत करो। लड़की उसे हमेशा फोन करती थी। राजीव की पत्नी हमेशा इस बात का विरोध करती थी।' 'राजीव की पत्नी ने कई बार छात्रा को राजीव से दूर रहने के लिए बोला था। फोन करने के लिए मना करती थी, पर वो नहीं मानती थी। कहती थी कि हमको राजीव से प्यार हो गया है।' 'लड़की हमेशा राजीव से बोलती थी कि मुझसे शादी नहीं करोगे तो मैं आत्महत्या कर लूंगी।' 'सोमवार की सुबह लड़की ने राजीव को फोन किया था। उसने घूमने के लिए बुलाया था। दोनों घूमने के लिए जा रहे थे। इसी बीच चौक पर कुछ ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया।' 'दोनों के परिजन को मौके पर बुलाया गया। लड़की की मां जैसे ही आई वो अपनी बेटी और राजीव को पीटने लगी।' मृतका की मां ने बताया कि, 'चार महीने पहले बेटी के मोबाइल में मेरे देवर ने एक लड़के की तस्वीर देखी थी। देवर ने मुझसे कहा कि ये कौन है। मैंने कहा कि मुझे पता नहीं ये कौन है। मेरे देवर ने किसी तरह लड़के को पहचान लिया। देवर ने कहा कि ये अरविंद का बेटा है।' 'मैं और मेरा देवर राजीव के घर गए। हमने उन लोगों से कहा कि अपने बेटे को समझा दीजिए कि मेरी बेटी से बात नहीं करे। राजीव ने अपने घरवालों की बात नहीं मानी।'

वैशाली में बीएलओ को मोबाइल एप का मिला प्रशिक्षण

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर प्रखंड में विशेष गहन-पुनरीक्षण 2025 के तहत बूथ स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 3 जुलाई 2025 को आयोजित किया गया। सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने BLO को मोबाइल एप के माध्यम से गणना प्रपत्र अपलोड करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण में चुनाव आयोग द्वारा विकसित मोबाइल एप की कार्यप्रणाली को विस्तार से बताया गया। BLO को फॉर्म में दर्ज जानकारी की जांच और सत्यापन की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने निर्धारित समय में सटीक डेटा अपलोड करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में एप से जुड़ी तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही उनके समाधान भी बताए गए। इस डिजिटल पहल का मुख्य उद्देश्य निर्वाचक नामावली को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इससे मतदाता सूची के संशोधन में पारदर्शिता और दक्षता आएगी। चुनाव आयोग के निर्देश पर सभी प्रखंडों में इसी तरह के प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इससे मतदाता डेटा का समय पर सत्यापन और अपडेट सुनिश्चित होगा। प्रशिक्षण में सभी BLO ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके सभी सवालों का समाधान किया गया।

वैशाली के मजदूर की पटना में संदिग्ध हालत में मौत

पत्नी बोली-काम पर निकले थे, तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में कराया गया था भर्ती

हाजीपुर। वैशाली के मजदूर की गुरुवार की सुबह पटना में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के चकसिकंदर मुस्तफापुर गांव वार्ड 4 निवासी शम्भू पासवान के बेटे सूरज कुमार (26) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक द्वारिका पथ पर रणजीत सिंह के यहां मजदूरी करते थे। जहां गुरुवार की सुबह वो काम लिए घर से निकला था। जिसके बाद तबीयत बिगड़ने उन्हें एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया। मृतक की पत्नी निशु देवी ने बताया कि जब वे अस्पताल पहुंचीं तो ठेकेदार और अन्य मजदूर वहां से फरार हो चुके थे। वहीं जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई रविंद्र पासवान ने बताया की सूरज पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। उनके तीन बच्चे है। वहीं उनकी पत्नी वर्तमान में गर्भवती हैं। वे पटना बाईपास के पास अपने ससुराल में एक साल से रहते थे और वही से काम पर जाते थे, वही काम करते थे। बाईपास थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक की पत्नी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पटना जंक्शन से बच्चा चुराया, 2.70 लाख में बेचा

❒ सीतामढ़ी में मिला मासूम, पहचान छिपाने के लिए बदमाशों ने सिर मुंडवा दिया, 2 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन रेल पुलिस ने प्लेटफॉर्म नंबर 10 से चोरी हुए ढाई साल के बच्चे सोनू को सीतामढ़ी के खैरवा गांव से बरामद कर लिया है। बच्चा 28 जून को चोरी हुआ था। 30 जून को रेल थाने में शिकायत दर्ज हुई। अब को पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने इस मामले में बच्चाचोर गिरोह से जुड़े दो तस्करों दीनानाथ शाह और टिंकू कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। दीनानाथ ने टिंकू को बच्चा 2 लाख 70 हजार रुपए में बेच दिया था। दीनानाथ एक सरकारी कर्मचारी है और पहले भी जेल जा चुका है, जबकि टिंकू ने इससे पहले एक बच्ची को खरीदा था। आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए बच्चे का सिर मुंडवा दिया था।

पति से झगड़ा कर बच्चे संग स्टेशन पहुंची थी मां: सीतामढ़ी के मालीपुर गांव की रहने वाली राधा देवी 28 जून को पति से झगड़ा कर पटना जंक्शन आ गई थी। प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर वह ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इसी बीच दीनानाथ शाह महिला के पास पहुंचा। बच्चे को लाड-प्यार करने लगा। इस दौरान उसने बच्चे को खिलाया-पिलाया भी। बच्चा जब घुल-मिल गया तो दीनानाथ उसके साथ खेलने लगा। इसी बीच महिला अपने पति से बात करने के लिए प्लेटफॉर्म के दूसरे लोगों से मोबाइल मांगने लगी। तभी दीनानाथ शाह बच्चे को लेकर प्लेटफॉर्म से फरार हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चा जब नहीं मिला तो राधा देवी ने रेल थाना पटना में केस दर्ज कराया।

परिवार का दावा हमने बच्चे को खोजा: सोनू के पिता जितेंद्र कुमार का दावा कि पुलिस ने नहीं, बल्कि परिजनों और गांव वालों ने सीतामढ़ी के खैरा गांव से बरामद करने के बाद पुलिस को सूचना दी। दीनानाथ और टिंकू, दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। जितेंद्र चालक है। वह सीतामढ़ी के टाउन थाना के मालीपुर पकड़ी गांव का रहने वाला है। सोनू जितेंद्र का इकलौता बेटा है।

गिरफ्तार तस्कर सरकारी कर्मी, जेल जा चुका है: दीनानाथ सरकारी कर्मी है। वह एक अस्पताल चलाता है। दीनानाथ साह अपना क्लिनिक चलाता है। पूर्व में उसने यूट्यूब से वीडियो देखकर एक बच्चे का ऑपरेशन कर दिया था। बाद में स्थिति बिगड़ने पर उसे दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कराया गया था, जहां बच्चे की मौत हो गई थी। इस मामले में वो जेल भी जा चुका है। दीनानाथ ने पटना जंक्शन से बच्चा चोरी करने के बाद वो टिंकू से बेच दिया। टिंकू को शादी के 20 साल बाद भी बच्चे नहीं हो रहा था। इसलिए वो दीनानाथ से बच्चा देखने को कहा था। इससे पहले भी वो एक बच्ची को खरीदा था। 'पत्नी मायके जाने के लिए पटना जंक्शन गई थी। मेरे गांव से करीब 25KM दूर दीनानाथ और टिंकू का गांव है। 28 जून को बच्चा के गायब होने के बाद खोजबीन शुरू की।

स्कूल के 5 कमरे में पढ़ने को मजबूर 337 छात्र

❒ जर्जर हो चुकी हैं छत और दीवारें, बरसात में टीचर्स तक परेशान, लैब, लाइब्रेरी और खेल मैदान भी नहीं

एजेंसी, फुलवारीशरीफ, पटना

राजधानी पटना से 15 किलोमीटर दूर स्थित बाबूचक का उत्क्रमित मध्य विद्यालय की व्यवस्था बदहाल है। 6600 वर्ग फीट में बने इस विद्यालय में मात्र 5 कमरे हैं, जिनमें कक्षा 1 से 12वीं तक के 337 स्टूडेंट्स पढ़ने को मजबूर हैं। स्कूल की शुरूआत 1970 में एक खपरैल के कमरे से हुई थी। 2007-16 के बीच इसे भवन का रूप दिया गया। 2020 में सरकारी नीति के तहत पांच कमरों में से दो कमरे उत्क्रमित मध्य विद्यालय को और तीन कमरे उच्च माध्यमिक विद्यालय, मैनपुर अंदा को आवंटित किए गए। फिलहाल स्कूल में कुल 337 छात्र-छात्राएं हैं। इनमें से 152 मध्य विद्यालय में और 185 उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ते हैं। इन सभी के लिए कुल 24 शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं।

स्टूडेंट्स के साथ-साथ टीचर्स को भी परेशानी: विद्यालय की स्थिति चिंताजनक है। कमरों की छत और दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। समय-समय पर छत से मलबा गिरता रहता है, जिससे स्टूडेंट्स की सुरक्षा खतरे में है। बरसात के मौसम में स्कूल कैंपस में पानी भर जाता है। स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद अहमद हुसैन ने कहा है कि बरसात में स्टूडेंट्स के साथ-साथ टीचर्स को भी आने-जाने में परेशानी होती है।

लैब, लाइब्रेरी और खेल मैदान भी नहीं: छात्र-छात्राओं ने बताया कि उनके स्कूल में खेल का मैदान नहीं है। कैंपस में 12th के साइंस के बच्चों के लिए कोई लैब नहीं है। लैब और लाइब्रेरी के अभाव में बच्चे किताब के पढ़ाई के अलावा लैब में प्रैक्टिकल नहीं कर पाते हैं।

जमीन विवाद में सीओ और युवक उलझे

बाढ़ अनुमंडल कार्यालय में जमकर हंगामा, पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया

एजेंसी, बाढ़, पटना

बाढ़ अनुमंडल कार्यालय में एक जमीनी विवाद को लेकर सीओ और एक युवक के बीच विवाद हो गया। महाराष्ट्र युनिवर्सिटी में कार्यरत पवन कुमार सिंह का अनुग्रह नारायण सिंह हाईस्कूल के पास 9.25 डिसमिल जमीन है। सीओ डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह के आदेश पर जमीन की नापी कराई गई। लेकिन इसकी सूचना न तो पवन कुमार को दी गई और न ही चौहद्दी में रहने वाले किसी व्यक्ति को। नापी का आदेश राजेंद्र प्रसाद सिंह के नाम से दिया गया, जिनकी मृत्यु 15 वर्ष पहले हो चुकी है। उनके नाम का मोटेशन भी नहीं हुआ है। इस जमीन में हरि केसरी नाम के व्यक्ति ने 15 फीट चौड़ा हिस्सा घेर लिया है। बाउंड्री के समय पवन ने सीओ को फोन कर जानकारी दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कार्यालय के एक कर्मचारी ने मौके पर जाकर रिपोर्ट तैयार की। पवन ने सीओ पर बदतमीजी का आरोप लगाया। उसने कहा कि पहले थाने में भी उसे डांटा गया था।

बिहार के 5 जिलों में चलता सबसे ज्यादा सेक्स रैकेट

♦ ह्यूमन ट्रैफिकिंग और चाइल्ड लेबर से 624 नाबालिग छुड़ाए गए, कई तस्कर-ऑर्केस्ट्रा संचालक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में गुरुवार को बिहार पुलिस मुख्यालय में पीसी हुई। इस दौरान राज्य में ह्यूमन ट्रैफिकिंग और सेक्स रैकेट से जुड़े कई मामलों की जानकारी दी। अनैतिक देह व्यापार के मामले सबसे ज्यादा किशनगंज, अररिया, अरवल, नालंदा, बेगूसराय से सामने आए हैं। हॉटस्पॉट के तौर पर यह जिले उभरे हैं। बताया कि जनवरी 2025 से मई 2025 तक यानी पिछले 5 महीने में ह्यूमन ट्रैफिकिंग और बाल श्रम के खिलाफ 231 प्राथमिकी दर्ज की गई है। 118 नाबालिग लड़कियों और 506 नाबालिग लड़कों का रेस्क्यू किया गया है।

144 तस्करों हुए हैं गिरफ्तार: इसमें बाल मजदूर और यौन शोषण की शिकार लड़कियां शामिल हैं। तस्करी में शामिल 127 पुरुष और 17 महिला समेत 144 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ बीएनएस, ITPA और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। ऑर्केस्ट्रा के खिलाफ भी अभियान चलाकर 153 नाबालिग लड़कियों को छापेमारी कर के रेस्क्यू किया गया है। इस धंधे में शामिल 47 संचालकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी बरामद लड़कियां नेपाल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से बिहार लाई गई थीं।

चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सामने नाबालिग लड़कियां होतीं पेश: कमजोर वर्ग के ADG अमित कुमार ने बताया कि बरामद नाबालिग लड़कियों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सामने पेश किया जाता है। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी तय करता है कि वो शेल्टर होम में रहेंगी या परिजनों के साथ जाएंगी। न्यायालय के सामने उनका बयान दर्ज कराया जाता है। इसके अलावा पुलिस भी अपने स्तर से बयान लेती है। ऑर्केस्ट्रा के लिए सारण, सीवान, गोपालगंज, मोतिहारी, बेतिया, रोहतास हॉटस्पॉट बना हुआ है। यहां पुलिस ने भी कई रेस्क्यू किए हैं।

दानापुर मामले में SIT का गठन: अमित कुमार ने बताया कि सिटी एसपी वेस्ट भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में SIT का गठन किया गया है। दूसरे राज्यों के भी नेटवर्क इस ट्रैफिकिंग में सामने आए हैं। वहां भी टीम छापेमारी करने जाएगी। यह एक संगठित अपराध है। इसके कई लेयर हैं। हर लेयर तक पुलिस पहुंचेगी।

पटना में सड़क हादसे में छात्र की मौत, दोस्त घायल, मां बोली- पड़ोसी ने तस्करी में धकेला

सोना-शराब की करवाता था डिलीवरी, पड़ोसी पर हत्या का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना में सड़क हादसे में 8वीं की छात्र उज्ज्वल कुमार की सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं प्रियांशु गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका इलाज PMCH में चल रहा है। उज्ज्वल के परिजनों ने पड़ोस के रहने वाले गोलू और सुमित पर हत्या का आरोप लगाया है। पूरा मामला पीरबहोर थाना क्षेत्र के नटराज गली का है। उज्ज्वल की मां गौरी देवी ने बताया कि बेटे को सुरक्षित रखने के लिए वह पिछले 4 दिनों से उसे घर में कैद कर के रख रही थी। पड़ोस के गोलू ने उसे गलत संगत में डाल दिया था। मैंने बहुत रिक्वेस्ट की थी कि मेरे बच्चे को बाइक मत देना, लेकिन उसने बार-बार कॉल कर के मेरे बेटे को शाम में लगभग 6 बजे अपने पास बुला लिया और मसौढ़ी अपने काम में भेज दिया। मुझे नहीं पता कि वो क्या करता है, लेकिन वो गलत धंधा करता है। मुझे न्याय चाहिए। उसने गली के लड़कों को बिगाड़ दिया है। इसके बहकावे में गली के लड़के नशे के आदि बन गए हैं। उसने मेरे बेटे को मार डाला। मैं नहीं बचा पाई।

250 ग्राम सोने की डिलीवरी देने पहुंचें थे मसौढ़ी: पुलिस की पूछताछ में प्रियांशु ने बताया कि मुझे और उज्ज्वल को गोलू ने 250 ग्राम सोना दिया था। इसकी डिलीवरी मसौढ़ी में देनी थी। हमलोगों ने डिलीवरी दे दिया था। उधर से पार्टी ने भी बैग में बिस्कुट कहकर दिया, लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान मसौढ़ी रेलवे फाटक से पहले बाइक से टक्कर हो गई और गाड़ी चला रहे उज्ज्वल को गंभीर चोट लग गई। डायल 112 की टीम की मदद से निजी अस्पताल में लाया गया। फिर वहां से PMCH रेफर कर दिया गया, लेकिन PMCH में घुसने से पहले ही गोलू अपने साथियों के साथ पहुंच गया और सूरज से बैग छीन लिया, उज्ज्वल का मोबाइल अपने पास रख लिया। फिर अपने सहयोगियों के साथ उसे कंकड़बाग के एक निजी अस्पताल में लेकर गए, जहां उज्ज्वल की मौत हो गई।

शराब का कारोबार करता है गोलू: पड़ोस के युवक आदर्श ने बताया कि गोलू ने मोहल्ले के लड़कों को बिगाड़ दिया है। वह पिछले 2 वर्ष से शराब का धंधा करता है। पुलिस वालों को भी मैनेज कर लेता है।

वोटर वेरिफिकेशन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे पशुपति पारस

» कहा- चुनाव से पहले ही एनडीए ने हार मान ली, गलत तरीके से करा रही मतदाता पुनरीक्षण

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने गुरुवार को पीसी की। उन्होंने बिहार की वर्तमान राजनीतिक और प्रशासनिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार इस समय विकट स्थिति से गुजर रहा है, जहां कानून-व्यवस्था चरमराई हुई है और राजनीतिक माहौल बेहद अस्थिर हो गया है।

NDA ने हार स्वीकार कर ली है: पारस ने दावा किया कि अक्टूबर-नवंबर में संभावित विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा और एनडीए के नेताओं ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। भारत सरकार और एनडीए जानबूझकर मतदाता पुनरीक्षण जैसे संवैधानिक कार्य को गलत तरीके से करवा रही है ताकि गरीबों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित किया जा सके।

एक महीने में मतदाता पुनरीक्षण संभव नहीं: आगे उन्होंने कहा कि 30 दिनों में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कैसे संभव है, जबकि यह काम लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद होना चाहिए था। सरकार हर प्रकार के प्रमाण पत्र मांग कर गरीब और दलित वर्ग के लोगों को चुनाव प्रक्रिया से बाहर करना चाहती है, जो बिहार के लोगों के साथ घोर अन्याय है।

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे: पारस ने कहा कि पार्टी इस अन्याय के खिलाफ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए हर मंच पर संघर्ष करेगी। राज्य की कानून-व्यवस्था पर हमला बोलते हुए पारस ने कहा कि बिहार में दलितों पर अत्याचार बढ़ा है, और इसका कारण यह है कि मुख्यमंत्री मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं, तथा कुछ गिने-चुने लोग ही सत्ता चला रहे हैं। उन्होंने शस्त्र लाइसेंस वितरण के मामलों पर कहा कि डीएम को ऐसे आदेश दिए जा रहे हैं, जिससे अपराध और बढ़ेगा, घटेगा नहीं।

वक्फ बिल का रालोजपा करेगी विरोध: पारस ने केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ बिल को लेकर भी नाराजगी जताई और कहा कि यह बिल अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों पर हमला है, जिसे रालोजपा सख्त विरोध करती है।

भाजपा की मंशा- एक देश, एक पार्टी: उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की मंशा है कि देश में एक ही पार्टी रह जाए, लेकिन बिहार की जनता यह हरगिज बर्दाश्त नहीं करेगी। हमारी पार्टी जनता को संगठित कर आंदोलन की राह पर चलेगी।

INDIA गठबंधन से जुड़ने के संकेत: महागठबंधन (INDIA) में शामिल होने के सवाल पर पारस ने कहा कि देश में अब केवल दो ही गठबंधन हैं- NDA और INDIA। रालोजपा अब एनडीए से अलग हो चुकी है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले INDIA गठबंधन के साथ आगे की रणनीति पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के साथ हमारा अच्छा रिश्ता रहा है, लालू परिवार से हमारे पुराने संबंध हैं। इस सप्ताह के भीतर हम INDIA गठबंधन के नेताओं से बैठकर अंतिम निर्णय लेंगे। पारस ने आगे कहा कि आज सबसे बड़ा मुद्दा है बिहार में सत्ता परिवर्तन।

चिराग बोले- एनडीए में जल्द होगा सीटों का बंटवारा

❒ मांझी के अनुभवहीन नेता कहने पर बोले- वो हमारे अभिभावक, कुछ भी कह सकते हैं

एजेंसी, पटना

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से निकलते हुए उन्होंने बताया कि कुछ अहम राजनीतिक मुद्दों को लेकर उन्होंने राज्यपाल को जानकारी दी है। आगे उन्होंने बताया कि एनडीए में सीटों का बंटवारा बहुत जल्द हो जाएगा। चिराग पासवान ने साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर मैं 2020 में एनडीए के साथ रहता तो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) इतनी ज्यादा सीटें नहीं जीतती। वे उसी सीट पर चुनाव जीते जहां हमने उम्मीदवार खड़े किए थे, और वो सीटें दहाई के अंक में भी नहीं जातीं।

रामविलास पासवान की जयंती पर राज्यपाल से की चर्चा: चिराग पासवान ने बताया कि आगामी 5 जुलाई को स्वर्गीय रामविलास पासवान की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर भी राज्यपाल से चर्चा की है। उन्होंने आगे बताया कि वीटो नामक संस्था की गतिविधियों और उसके विस्तार के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी गई। यह संस्था कई देशों में काम कर रही है। इसके तहत एक विश्वविद्यालय का भी निर्माण हो रहा है, जिसमें बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को प्राथमिकता दी जा रही है।

मांझी के बयान पर चिराग का जवाब: पूर्व मुख्यमंत्री और हम के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने चिराग को अनुभवहीन नेता कहा था, इस पर चिराग ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मांझी जी हमारे अभिभावक हैं। वह कुछ भी बोल सकते हैं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं उनसे आशीर्वाद लेता रहता हूं। विपक्ष को इन बातों से खुश नहीं होना चाहिए, हम लोग एकजुट हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने पर चिराग पासवान ने कहा कि हमें गर्व है कि हम ऐसे प्रधानमंत्री के साथ काम कर रहे हैं जिन्हें हर देश में सर्वोच्च सम्मान मिल रहा है। ये पूरे देश के लिए सम्मान की बात है।

मनीष हत्याकांड की जांच में दूसरे दिन डीआईजी पहुंचे हरसिद्धि, सभी आरोपियों से की गई पूछताछ

बीएनएम। हरसिद्धि

मठ लोहियार गांव में पत्रकार मनीष कुमार की हत्या के मामले में बेतिया रेंज के डीआईजी हर किशोर राय गुरुवार को दूसरी बार हरसिद्धि थाना पहुंचे। डीआईजी ने मामले में शामिल 17 आरोपियों से घंटों तक गहन पूछताछ की। इनमें से चार आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं, जो फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, जबकि अन्य के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी है।

पुलिस ने अमरेंद्र कुमार, अशजद अली, महेंद्र कुमार समेत बथुआहा गांव के कई लोगों को नोटिस देकर थाने बुलाया। डीआईजी ने सभी आरोपियों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि मृतक मनीष कुमार के पिता संजय सिंह ने पूर्व में की गई जांच से असंतुष्टि जताते हुए डीआईजी को आवेदन देकर पुनः निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए डीआईजी स्वयं जांच में जुट गए हैं।

बताया गया है कि मनीष कुमार की हत्या 7 अगस्त 2021 को मठ लोहियार में की गई थी। हत्या के बाद शव को छिपा दिया गया था, जो तीन दिन बाद बरामद हुआ। अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि कुछ अन्य फरार हैं। उन्होंने बताया कि जांच को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है और इस मामले में जल्द ही कोई नया मोड़ सामने आ सकता है।

पूछताछ के दौरान कांड से जुड़े गवाहों के भी बयान लिए गए। डीआईजी ने सात घंटे तक थाने में रहकर पूरे मामले की सूक्ष्म समीक्षा की। इससे पहले वे घटनास्थल का निरीक्षण भी कर चुके हैं।

जांच के दौरान अरेराज इंस्पेक्टर पूर्णकाम सामर्थ, थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, दरोगा सीमा कुमारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी व जवान उपस्थित थे।

आवास निर्माण हेतु कार्यादेश किया गया वितरित

बीएनएम। मोतिहारी

पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगर निगम द्वारा पात्र लाभुकों को आवास निर्माण हेतु कार्यादेश वितरित किया गया। इस अवसर पर महापौर प्रीति कुमारी ने लाभुकों को स्वीकृति पत्र सौंपे और बताया कि योजना का उद्देश्य शहरी गरीबों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं स्वच्छ आवास उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत मोतिहारी नगर निगम द्वारा कुल 2400 लाभुकों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से लगभग 2000 लाभुकों के खातों में प्रथम किश्त के रूप में 1 लाख की राशि स्थानांतरित कर दी गई है। बाकी बचे हुए लाभार्थियों को जल्द से जल्द प्रथम किश्त की राशि उपलब्ध करा दिया जायेगा। अभी भी निगम से द्वारा आवेदन स्वीकार किया जा रहा है, जो लोग अभी तक आवेदन पत्र निगम में जमा नहीं करा पाए है वह लोग निगम में आवेदन पत्र जमा करा सकते है। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि नगर निगम मोतिहारी लगातार पारदर्शिता और गति से इस योजना के क्रियान्वयन में जुटा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष लाभुकों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में नगर आयुक्त सुमन सौरभ यादव, उप नगर आयुक्त गुरु शरण, नगर निगम पार्षदगण एवं अन्य नगर निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

264 पीस विदेशी शराब बरामद , एक बाइक जब्त

बीएनएम। बेतिया : बैरिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के फुलियाखांड वार्ड नंबर 8 से 264 पीस अंग्रेजी शराब के साथ एक बाइक को पुलिस ने जब्त किया है। बैरिया थाना अध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिला की बाइक पर शराब धंधेबाज शराब की खेप लेकर आ रहा है।सूचना के आलोक में ए एल टी एफ सदर 2 में पदस्थापित जमादार सर्वेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर फुलिया खांड पंचायत के वार्ड नंबर 8 में पहुंची जहां पुलिस को आता देख धंधेबाज बाइक व शराब छोड़ फरार हो गया। तलाशी के दौरान 144 पीस 8 pm, 35 पीस रॉयल स्टैग तथा 85 पीस किंगफिशर विदेशी शराब बरामद की गई।पुलिस ने बताया कि मध्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस धंधेबाज के ठिकानों पर छापामारी में जुट गई है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

बीएनएम। भागलपुर। जिले के हबीबपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगोता स्थित शाहजंगी मैदान के पास आयोजित एक शादी समारोह में गुरुवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक नीरज कुमार मंडल है। नीरज अपने दोस्त के घर उसकी बहन की शादी में शामिल होने गया था। इसी दौरान तेज बारिश होने लगी। बारिश से बचाव के लिए नीरज पंडाल पर चढ़कर तिरपाल को ठीक करने लगा। उसी समय पंडाल में हाईटेंशन तार के संपर्क से करंट दौड़ गया और नीरज उसकी चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत नीरज को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे मायागंज अस्पताल रेफर किया गया लेकिन मायागंज अस्पताल में डॉक्टरों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शादी का माहौल गमगीन हो गया। परिजन और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्णिया एयरपोर्ट का निरीक्षण: मुख्य सचिव ने दिए त्वरित निर्माण के निर्देश

बीएनएम। पूर्णिया। पूर्णिया एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा आज पूर्णिया स्थित निर्माणाधीन हवाई अड्डे परिसर में की गई। बैठक में एयरपोर्ट से संबंधित इंटिरिम टर्मिनल बिल्डिंग, रनवे, एप्रोन, एप्रोच पथ समेत अन्य अवसंरचनाओं की अद्यतन स्थिति की बारीकी से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बैठक में कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने का सख्त निर्देश सभी अभियंताओं और संवेदकों को दिया। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देशित किया कि एयरपोर्ट तक जाने वाली सभी सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए, जिससे आम लोगों को सुगम और सुरक्षित आवागमन मिल सके। मौके पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार, मुख्यमंत्री सचिवालय के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ, नगर एवं विमानन निदेशक डॉ. निलेश रामचंद्र देवड़े, पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डगरुआ में डिग्री कॉलेज की उठी मजबूत मांग, 18 पंचायतों के छात्रों को मिलेगा लाभ

बीएनएम। पूर्णिया। पूर्णिया जिले के डगरुआ प्रखंड में डिग्री कॉलेज की मांग वर्षों से की जा रही है। करीब 18 पंचायतों की बड़ी आबादी वाले इस इलाके के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए 15 से 20 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। ऐसे में डगरुआ प्रखंड मुख्यालय स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल हाई स्कूल को डिग्री कॉलेज का दर्जा देने की मांग जोर पकड़ने लगी है। प्रस्तावित कॉलेज के सचिव इसराइल आजाद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर कॉलेज की मान्यता से संबंधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि कॉलेज निर्माण के लिए चार एकड़ 30 डिसमिल जमीन पहले ही राजपाल के नाम से रजिस्ट्री की जा चुकी है। साथ ही 16 कमरों का पक्का भवन, खेल मैदान और चारों ओर सुरक्षित बाउंड्री वॉल भी मौजूद है। ऐसे में अगर इसे कॉलेज का दर्जा मिल जाता है तो डगरुआ सहित आसपास के हजारों छात्रों को काफी राहत मिलेगी। डगरुआ प्रखंड प्रमुख रितेश कुमार ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि कॉलेज बनने से न केवल स्थानीय छात्रों को उच्च शिक्षा की सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डगरुआवासियों को जल्द यह सौगात देंगे।

निशांत जदयू में मुख्य भूमिका में आएंगे तभी बचेगा जदयू: गोपाल मंडल

बीएनएम। भागलपुर। जदयू के बड़बोले विधायक गोपाल मंडल ने भागलपुर में गुरुवार को कहा कि नीतीश कुमार के दांत के ऑपरेशन के बाद ही उनके मुंह में कुछ दिक्कत आया होगा। उसी वजह से उनका मुंह बिचकते रहता है। जदयू के एमएलए गोपाल मंडल ने कहा कि अगर नीतीश के पुत्र निशांत जदयू में मुख्य भूमिका में आएंगे तभी जदयू बचेगी वर्ना आधे इधर, आधे उधर की तरफ़ चला जायेगा। जदयू के मिट्टी पलीत हो जाएगा। निशांत गांजा नहीं पीता है बल्कि पढ़ा लिखा इंजीनियर ग्रेजुएट है। एमएलए गोपाल मंडल ने बिहार में चुनाव आयोग के फैसले पर बड़ी आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि जब ग्रामीण इलाके में बूथ लेवल की बैठक कर रहे हैं तो ग्रामीण वोटर इसको लेकर उहापोह में हैं।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जन सुराज ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जन सुराज पार्टी के पूर्वी चंपारण जिला अध्यक्ष राधेश्याम यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक की गई। उक्त बैठक में बिहार प्रदेश जनसुराज महासचिव सुभाष सिंह कुशवाहा ने प्रदेश से लेकर पंचायत तक सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चुनाव चिन्ह् स्कूल का बैग गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करें। बिहार प्रदेश जनसुराज निर्वाचन के तीन प्रमंडल के सह संयोजिका उर्मिला सिंह ने बताया विधान सभा चुनाव के उम्मीदवारों को अपने-अपने विधान सभा में पांच-पांच बदलाव सभा करनी है। एमएसएमई महिला, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक, अतिपिछड़ा सभी अनुमंडल संगठन को मजबूत करने के लिए बैठक कर संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में जिला प्रभारी राघवेंद्र पाठक, बिहार प्रदेश के कोर कमिटी सदस्य कुसुम देवी, कमलेश कांत गिरी, पश्चिमी चंपारण जिला के प्रभारी रविन्द्र सिंह बेरूआर, जिला महासचिव पप्पू मिश्रा, जिला मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार अधिवक्ता, पूर्व अध्यक्ष राम शरण यादव, जिला किसान अध्यक्ष विनोद प्रसाद, जिला महिला अध्यक्ष शीला देवी के साथ जिला संगठन पदाधिकारी, अनुमंडल संगठन पदाधिकारी, प्रखण्ड संगठन पदाधिकारी, एमएसएमई के सभी सदस्यों, विधान सभा चुनाव प्रभारी, अभियान समिति संगठन पदाधिकारी सभी उपस्थित रहे। उक्त बैठक की जानकारी जिला के मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार ने बताया।

हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार, दोनों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला गया

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक सेमरा बेलवतिया का जावेद आलम है, जबकि दूसरा आरोपी जयसिंहपुर दुर्गा चौक का दिनेश साह बताया गया है।

दोनों के विरुद्ध इसी वर्ष हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद से ये लगातार फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में दोनों को पकड़ा गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला गया है।

जावेद आलम के विरुद्ध कोटवा थाना में आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है। वहीं तुरकौलिया थाना में भी उस पर मारपीट और हत्या के प्रयास के दो मामले दर्ज हैं। दूसरी ओर दिनेश साह के खिलाफ भी वर्ष 2018 में तुरकौलिया थाना में पुलिस पर हमला करने समेत दो मामले दर्ज हैं।गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है।

अनचाहे गर्भावस्था से बचाव क़ो लेकर महिलाओं क़ो लगेगा सबडर्मल इम्प्लांट

यह एक छोटी सी लचीली हार्मोनल रॉड है जिसे बांह की त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है

बीएनएम। मोतिहारी

» 03 साल तक गर्भावस्था को रोकने में प्रभावी है

परिवार नियोजन इम्प्लांट क़ो लेकर जिले की महिला चिकित्सक डॉ. सुरुचि स्मृति एवं सहयोगी संस्थान पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधियों क़ो पटना में प्रशिक्षण कराया जा रहा है, इसके बाद जिले मे स्वास्थ्य कर्मियों क़ो प्रशिक्षण कराकर जल्द ही इम्प्लांट क़ो सभी स्वास्थ्य केंद्रों मे उपलब्ध कराया जाएगा। इस सम्बन्ध मे जिले के डीसीएम नंदन झा ने बताया की परिवार नियोजन इम्प्लांट एक प्रभावी और सुविधाजनक गर्भनिरोधक विकल्प है। यह उन महिलाओं के लिए उपयुक्त है जो लंबे समय तक चलने वाले, प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक चाहती हैं। परिवार नियोजन इम्प्लांट क़ो गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण भी कहा जाता है, यह एक छोटी सी लचीली रॉड होती है जिसे बांह की त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है। यह 3 साल तक गर्भावस्था को रोकने में प्रभावी है। यह हार्मोन शरीर में प्रवेश करके ओव्यूलेशन को रोकता है और गर्भाशय ग्रीवा के बलगम को गाढ़ा करता है, जिससे शुक्राणु के लिए गर्भाशय में प्रवेश करना मुश्किल हो जाता है। 3 साल तक यह प्रभावी रहता है। इसकी क्षमता प्रतिशत से अधिक प्रभावी है। वहीं इसे आसानी से हटाया जा सकता है और महिलाएं इसे हटाकर गर्भवती भी हो सकती हैं। इसका कोई खास दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। कुछ महिलाओं को अनियमित रक्तस्राव या मासिक धर्म का न होना, सिरदर्द, मुहांसे या मनोदशा में बदलाव हो सकता है।

इम्प्लांट कब लगवाना चाहिए- डॉ. सुरुचि स्मृति, सदर अस्पताल मोतीहारी ने कहा की मासिक धर्म चक्र के पहले 5 दिनों के भीतर या 4 सप्ताह के भीतर प्रसव के बाद, या गर्भपात के बाद, इसे लगवाया जा सकता है। सब डर्मल इम्प्लांट (पटना एवं भागलपुर) पायलट के तौर दो जिलों में शुरुआत की गयी थी। सबडर्मल जहां माचिस की तिली जैसी एक अस्थाई गर्भनिरोधक का साधन है वहीं उनके द्वारा बताया गया की इस नए गर्भनिरोधक साधन के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन में पीएसआई इंडिया का सहयोग रहेगा।

सड़क हादसे में घायल 8 वर्षीय छात्रा की इलाज के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम। तुरकौलिया

बीते 28 जून को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई 8 वर्षीय छात्रा शगुफ्ता प्रवीण की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। मृतका रघुनाथपुर नगर निगम वार्ड संख्या 30 निवासी खुर्शीद आलम की पुत्री थी।

घटना के संबंध में बताया गया कि शगुफ्ता लक्ष्मीपुर स्थित अपने घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी, तभी मोतिहारी की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रही बच्ची को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह मौके पर ही बुरी तरह जख्मी हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार बिना रुके फरार हो गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल छात्रा को मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे रहमानिया मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया। कई दिनों तक इलाज चलने के बाद गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

जैसे ही मौत की खबर घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि उन्होंने इस घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

शगुफ्ता प्रवीण दो बहनों में सबसे बड़ी थी और उसके पिता खाड़ी देश सऊदी अरब में रहकर मजदूरी करते हैं। मासूम की असमय मौत से पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है। ग्रामीणों ने बाइक सवार को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

9 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल होगी

बीएनएम। बेतिया

बेतिया में संयुक्त ट्रेड यूनियन तथा संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 9 जुलाई 2025 को आहुत राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए सीटू कार्यालय बेतिया में संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक हुई।बैठक को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के उपाध्यक्ष तथा संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक प्रभुराज नारायण राव ने कहा कि सभी क्षेत्रों में निजीकरण की ओर बढ़ते कदमों को रोका जाय। ट्रेड यूनियन मजदूरों के कानून में जो बदलाव किए गए हैं ,उन चार लेबर कोड को निरस्त किया जाए।मजदूरों को 8 घंटे का काम का समय और पूरी मजदूरी देने का कानून यथावत रखा जाए । बिजली के निजीकरण को रोका जाए। बिजली निगम बोर्ड को कंपनियों में तब्दील करके बिजली मीटर को हटाकर निजीकरण का रास्ता बनाते हुए स्मार्ट मीटर लगाने का काम बन्द किया जाय ।दूसरी तरफ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार यह स्मार्ट मीटर 40% ज्यादा गति से रीडिंग निकालता है।जो आम उपभोक्ता को लूटने जैसा है ।इसलिए बिजली के निजीकरण वापस लिया जाए और जनता के हित में जनता को सस्ती बिजली मिले ऐसी सरकारी नीति बनाई जाय।एम एस पी को कानूनी गारंटी,फसल में लागत का डेढ़ गुना दाम,कृषि कर्ज से किसानों को मुक्त किया जाए। बैठक को अखिल भारतीय किसान सभा अजय भवन पटना के जिला सचिव राधामोहन यादव,बिहार राज्य किसान सभा जमाल रोड पटना के हरेंद्र प्रसाद, चाँदसी प्रसाद यादव,लोक संघर्ष समिति के पंकज ,अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा के सुरेंद्र प्रसाद,अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के मानती राम,बिहार राज्य ईख उत्पादक संघ के अध्यक्ष लालाबाबू यादव ,शिवजी राय आदि ने संबोधित किया।

तुषार गांधी 13 जुलाई को आएंगे मोतिहारी, परदादा महात्मा गांधी की कर्मभूमि को करेंगे नमन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी 13 जुलाई को मोतिहारी पहुंचेंगे, जहां वे चंपारण सत्याग्रह से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर अपने परदादा की स्मृतियों को नमन करेंगे।

इस संबंध में आज बेलबनवा स्थित दिग्विजय कुमार के आवास पर एक तैयारी बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया रामबाबू प्रसाद यादव ने की एवं संचालन जेपी आंदोलन के सेनानी पंकज कुमार ने किया। बैठक में गांधी विचारों के प्रचार-प्रसार से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए पटना से आए सामाजिक कार्यकर्ता शाहिद कलाम ने बताया कि तुषार गांधी का भ्रमण तुरकौलिया स्थित ऐतिहासिक नीम का पेड़, स्वतंत्रता सेनानी लोमराज सिंह की जन्मभूमि जसौली पट्टी, मोतिहारी रेलवे स्टेशन, गांधी स्मारक, जिला परिषद परिसर, चन्दरहिया गांधी स्मारक सहित कई प्रमुख स्थलों पर होगा। इन स्थलों पर महात्मा गांधी और उनके सहयोगियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। साथ ही विचार गोष्ठी के माध्यम से गांधीवादी मूल्यों पर संवाद भी होगा। तुषार गांधी अपने भ्रमण के दौरान गांधी जी के सहयोगियों के परिजनों से भी मुलाकात करेंगे और उनके योगदान को नमन करेंगे। बैठक में दिग्विजय कुमार, विनय कुमार, रंजीत कुमार गिरी, हरेराम महतो, अमन कुमार राज, संजय सत्यार्थी, लोक तेजस्वी, विनोद कुमारी तिवारी समेत कई लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सुझाव साझा किए।

संक्षिप्त समाचार

विधालय में भोजन नहीं मिलने से बच्चों ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन करते स्कूली बच्चे

बीएनएम। नौतन। प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मड़ुवाहां पूर्वी में विगत तीन रोज से छात्रों को मध्याह्न भोजन नहीं मिल रहा है। इसको लेकर गुरुवार को विद्यालय के छात्र छात्राओं ने प्रदर्शन कर नाराजगी जताई है। प्रदर्शन कर रही छात्रा किरण कुमारी,नेहा कुमारी, सलोनी कुमारी सहित दर्जनों छात्र छात्राओं ने बताया कि विगत तीन रोज से मध्यान भोजन बाधित हैं। जिसके कारण सभी बच्चों को मध्याह्न भोजन नहीं मिल रहा है। शिक्षा समिति के अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य नंदकिशोर प्रसाद ने बताया कि विद्यालय में मात्र दो शिक्षक है।प्रधान शिक्षिका उषा कुमारी के स्थानांतरण के बाद वरीय शिक्षक मिराज अहमद प्रभार नहीं लें रहे हैं।जिसके कारण बच्चों को विगत तीन दिनों से मध्याह्न भोजन नहीं मिल रहा है।इससे बच्चों एवं अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है।बताया कि इसकी सूचना प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को दें दीं गई है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रेयाज अहमद ने बताया कि बचें हुए शिक्षकों को प्रभार लेने के लिए चिट्ठी भेजी गई थी। लेकिन बीमारी का हवाला देते हुए शिक्षकों के द्वारा प्रभार नहीं लिया गया है।बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी को वस्तु स्थिति से अवगत करा दिया गया है।

कांवरियों के लिए सावन माह में दो जगह लगेंगे स्वास्थ्य कैंप

बीएनएम। जमुई /झाझा। 11 जुलाई से सावन माह की शुरुआत हो रही है। झाझा प्रखंड से गुजरने वाले कांवरियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने की तैयारी शुरू हो गई है। रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि कांवरियों की सेवा के लिए दो जगह स्वास्थ्य कैंप लगाए जाएंगे। एक कैंप सोहजाना में लगेगा, दूसरा दादपुर मोड़ के पास। दोनों जगहों पर सभी जरूरी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके लिए प्रारूप तैयार कर जिला स्वास्थ्य विभाग को भेजा गया है।

इलाज के दौरान महिला की मौत, डॉक्टर फरार

बीएनएम। योगापट्टी प्रखंड के फतेहपुर चौक से 20 कदम पूर्व की ओर स्थित नारायणी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान संगीता देवी पति मुकेश यादव मठिया गांव निवासी के रूप में हुई। वहीं मृतक महिला के पति मुकेश यादव ने बताया कि पत्नी संगीता देवी का इलाज नारायण हॉस्पिटल में चल रहा था जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों द्वारा 5 लाख की मांग की गई थी । वही हम 5 लाख रुपये दे दिए थे । जहां डॉक्टरों की लापरवाही के कारण पत्नी की मृत्यु हो गई। वही मृत्यु बुधवार सुबह 6:00 बजे करीब में हुई थी।लेकिन डॉक्टरो द्वारा मुझे 9:00 के बाद बताया गया वही मृत्यु के बाद परिवार वालों द्वारा हंगामा करने पर डॉक्टर फरार हो गये । वहीं मृतक के दो बेटी सोनिया और शिल्पी भी है वही स्थानीय पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया है वही योगापट्टी थाना अध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि आवेदन नहीं मिला है आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी वही नारायणी हॉस्पिटल के डॉक्टर का नाम डीपी सिंह बताया जा रहा है

मानवता की मिशालः सड़क हादसे में घायलों को एसपी ने पहुंचाया अस्पताल

पबीएनएम। शेखपुरा. शेखपुरा जिले में घटित एक सड़क दुर्घटना के बाद सड़क पर तड़प रहे घायल लोगों को एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए खुद अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया. उनका यह संवेदनशील और जिम्मेदाराना कदम इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है | यह घटना जिले के शेखपुरा - ससबहना मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित रौंदी मोड़ के पास घटित हुई| जहां दो ई-रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक महिला समेत 4 लोग घायल हो गए| घायलों की पहचान टाडा पर गांव निवासी चालक रोशन कुमार, अमानतपुर की जय रानी देवी, रीकी कुमारी और सीता देवी के रूप में हुई है, संयोगवश उसी समय घटनास्थल से गुजर रहे एसपी ने स्थिति को देखते ही तुरंत अपने काफिले को रुकवाया और बिना समय गंवाए अपने एस्कॉर्ट वाहन से घायलों को अस्पताल भिजवाया| जब तक उनकी गाड़ी वापस नहीं लौटी, वे स्वयं सड़क किनारे घटनास्थल पर खड़े रहे| जिससे आमजनो में गहरी प्रशंसा देखने को मिली| एक ओर जहां जिले में हाल ही में एक थानाध्यक्ष द्वारा टोटो चालक से की गई मारपीट की घटना से पुलिस की छवि को ठेस पहुंची थी, वहीं दूसरी ओर एसपी चौधरी के इस कदम ने जनमानस में पुलिस के प्रति भरोसा पुनः मजबूत किया है| स्थानीय लोगों और राहगीरों ने इस कार्यशैली को सराहते हुए कहा कि एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने संवेदनशीलता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है, जो अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणादायी है

विद्यालय के बच्चों के साथ मारपीट, बवाल

» आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल

» बच्चों के दो गुटों में हुआ था विवाद

मामले की जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम। बैरिया

बैरिया प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैरिया कॉलोनी में ग्रामीणों द्वारा आधा दर्जन से अधिक बच्चों को विद्यालय से बाहर निकाल कर जमकर पिटाई करने का मामल प्रकाश में आया है। जिससे आधा दर्जन से अधिक बच्चे बुरी तरह से जख्मी हो गए। घटना बुधवार की बताई जा रही है। इस घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा तफरी मच गई। कई बच्चे जख्मी हालत में गिरे पड़े थे। यह सभी बच्चे बैरिया तिवारी टोला और बैरिया बंगाली कोलनी विद्यालय के हेडमास्टर वरिष्ठर ठाकुर ने बताया कि छुट्टी के बाद बच्चों के आपसी विवाद को लेकर मारपीट की घटना हुई है। पुलिस को सूचना दी गई लेकिन बिलंब से पुलिस पहुंची। इस घटना की सूचना जख्मी बच्चों के परिजनों को मिली तो वे लोग स्कूल के पास पहुंच गए। जख्मी पड़े अपने बच्चों को बैरिया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में जख्मी बच्चों ने थाना में आवेदन भी दिया है। थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।बताया जाता है कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के दो गुटों में पिछले दिन कोई विवाद हुआ था। इसको लेकर एक पक्ष के बच्चों ने अपने परिजनो सूचना दी थी। इसके बाद बिट्टू बर्मन, बंटी बर्मन, प्रीतम बर्मन, कार्तिक बर्मन, सोनू पाल समेत दर्जनों की संख्या में ग्रामीण लाठी फट्टा लेकर विद्यालय परिसर में घुस गए। फिर इन लोगों ने उसे उक्त विद्यालय में पढ़ने वाले हम राजकुमार, विकास कुमार, प्रिंस कुमार, सूरज कुमार, शशि कुमार, मंजेश कुमार, अमन कुमार, रितिक कुमार समेत आधा दर्जन बच्चों को पीटने लगे। बेरहमी से पीटने के बाद सभी बच्चे खून से लथपथ बेहोशी की हालत में गिर गए। इसकी सूचना मिलने के बाद भी पुलिस विलंब से पहुंची। जख्मी बच्चों के परिजन वहां पहुंचकर सभी को अस्पताल में भर्ती कराया।

सहरसा में 4200 बोतल कोरेक्स बरामद

» **एक तस्कर गिरफ्तार**

बीएनएम।सहरसा

जिले में नशे के कारोबार पर नकेल कसते हुए उत्पाद विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बनगांव थाना क्षेत्र के रहूआ मनी गांव में छापेमारी कर एक बोलेरो पिकअप से 4200 बोतल कोडीनयुक्त कोरेक्स सिरप बरामद किया गया। बरामद दवाओं की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 6 से 7 लाख रुपये बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, यह खेप पार्सल के रूप में बोलेरो में छिपाकर रखी गई थी। टीम ने मौके से जयप्रभा नगर, सहरसा निवासी सौरभ कुमार उर्फ राजा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि यह खेप पटना से सहरसा लाई गई थी और इसे अन्य जिलों में नशे के धंधे के लिए सप्लाई किया जाना था।उत्पाद निरीक्षक संजीत कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में एएसआई अविनाश कुमार, मद्य निषेध सिपाही दिलीप कुमार सहित कई अन्य कर्मी शामिल थे। बरामद दवाएं कोडीन जैसे नशीले तत्वों से युक्त थीं, जिनका गैरकानूनी तरीके से उपयोग युवाओं को नशे की गर्त में धकेलने के लिए किया जा रहा था।फिलहाल गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही, इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश के लिए पुलिस नेटवर्क खंगालने में जुटी है। प्रशासन का कहना है कि इस तरह के अवैध कारोबार पर कड़ी निगरानी जारी रहेगी।

तस्कर के साथ उत्पाद विभाग की टीम

प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के लिए पौधे जरूर लगाएं

बीएनएम।जमुई

वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण पर गोष्ठी में उपस्थित शिक्षक व छात्र

केकेएम कॉलेज में मुंगेर विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार वन महोत्सव (17 जुलाई) के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिंदो सुंदर पोले ने की। प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि वृक्षारोपण मानव और पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण और वृक्षों का बहुआयामी महत्व रहा है। कहा जाता है कि एक वृक्ष दस पुत्रों के बराबर होता है और पीपल का पेड़ 24 घंटे ऑक्सीजन प्रदान करता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पोले ने कहा कि वृक्षारोपण पुण्य का कार्य है। इससे न केवल परिसर सुंदर बनता है, बल्कि प्रदूषण भी नियंत्रित रहता है। वृक्ष जहरीली गैसों को सोखते हैं और प्रकृति को संतुलित रखते हैं। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी शंकर पासवान ने भारतीय संस्कृति को अरण्यक परंपरा बताते हुए कहा कि भगवान राम ने दंड स्वरूप नहीं, बल्कि पर्यावरण और ऋषि संस्कृति की रक्षा हेतु वनवास किया था। उन्होंने 'मां के नाम एक वृक्ष' अभियान को परम धर्म बताते हुए फूड, फ्यूल, फाइबर, फर्टिलाइजर व फूडर (5F) वाले पौधे लगाने की अपील की।उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व में 15 अरब पेड़ काटे जाते हैं, जबकि केवल 5 अरब लगाए जाते हैं, जिससे पर्यावरण असंतुलन बढ़ता जा रहा है। भारत में 33% भूभाग पर वन होना चाहिए, जबकि वर्तमान में केवल 21.7% भूमि ही वनों से आच्छादित है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण नीतियों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है। अंत में शिक्षक, छात्रछात्राओं व कर्मियों ने कटहल, आम, नीम, पीपल व जामुन के पौधे लगाए।

पार्किंग में अवैध वसूली को लेकर चालकों ने ई रिक्शा रखी बंद

प्रदर्शन करते नाराज ई रिक्शा चालक

बीएनएम।जमुई /झाझा

पार्किंग में अवैध रुपए लिए जाने से नाराज ई रिक्शा चालकों के द्वारा गुरुवार को स्टेशन के समीप ई रिक्शा स्टैंड पर ई रिक्शा चालकों ने अपना ई रिक्शा बंद करके अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग जिला से लेकर स्थानीय पदाधिकारियों से की। मौके पर जनसंघर्ष मोर्चा के संयोजक विनोद यादव ने कहा कि दो दिन पूर्व भी प्रखंड कार्यालय पहुंचकर बीडीओ की अनुपस्थिति होने पर बड़ा बाबू को बीडीओ के नाम लिखे गए ज्ञापन को सौंपा गया। लेकिन किसी भी तरह की कोई पहल इस ओर नही किया गया। उसने बताया कि अब अपनी मांगों को लेकर हमलोग चरणबद्ध तरीके से अलग अलग दिन आंदोलन करेंगे। मौके पर विकास रावत ने कहा कि दिन प्रतिदिन ई रिक्शा चालकों की समस्या बढ़ती जा रही है जिससे चालक परेशान हो रहे है। उसने बताया कि मनमानी तरीके से चालकों से पार्किंग का रुपए लेने की शिकायत स्थानीय पदाधिकारी से लेकर जिलाधिकारी, बिहार के अन्य उच्च पदाधिकारी से लेकर सभी को पत्र भेजकर समस्या का समाधान किए जाने की मांग किया लेकिन अबतक समस्या का समाधान नही हो पा रहा है। ई रिक्शा चालकों ने कहा कि एक तरफ हमलोगों की कमाई कम हो रही है और दूसरी ओर नगर क्षेत्र में हमलोगों को दो जगहों पर पार्किंग लिया जा रहा है। एक तरफ स्टेशन के पास तो दूसरी ओर सोहजाना मोड़ के पास। पार्किंग शुल्क 20 रुपए की जगह 35 से 50 रुपए लिये जाते हैं और नही देने पर चालकों को अपमानित किया जाता है।

गंडक नदी में जलस्तर वृद्धि से सहमे ग्रामीण, किया प्रदर्शन

» **सरकार से पक्कीकरण की मांग**

बीएनएम। बेतिया

प्रदर्शन करते ग्रामीण

बैरिया अंचल क्षेत्र के सिंगही घाट पर गंडक नदी से निजात पाने के लिए दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए ग्रामीणों ने बताया कि गंडक नदी की जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है ।हल्कीफुल्की कटाव भी शुरू हो गया है ।लेकिन जल संसाधन विभाग के द्वारा कोई सार्थक पहल नहीं किया जा रहा। समाज सेवी डॉक्टर विपिन बिहारी पांडेय ने कहा की घोड़ाहिया से आसाराम पटखौली तक चंपारण तटबंध काफी जर्जर हो चुका है ।प्रति वर्ष फलौड फाइटिंग का कार्य बीजेपी और जेडीयू के लोग करते है।केवल कोरम पूरा कर बचाव रोधी कार्य की जाती है।जो सफल नहीं होती है।जिसका जीता जागता उद्धरण पिछले वर्ष घोड़ाहिय के समीप पीड़ी रिंग बांध ध्वस्त हुआ था।जिसका परिणाम यह हुआ की किसानों अपनी खेतो में लगाए खरीफ फसल तक नहीं काट सके ।सरकार और अधिकारी को जनता का तनिक भी चिंता नही है।वही चंपारण तटबंध का यदि पक्कीकरण हो जाता तो जनता की इन समस्याओं से निजात मिल जाती। नेता सुनील कुमार राव ने बताया कि अगर सही तरीके से बचाव रोधी कार्य नहीं किया गया तो दर्जनों गांव गंडक नदी के गोद में समा जाएगा। बांध पर बोरा में मिट्टी भर कर रखा गया है। प्रदर्शन करते हुए जयराम कुशवाहा, विश्वनाथ प्रसाद ,हसन खान, असलम गद्दी, राजदेव शर्मा ,मनोज प्रसाद, अनिल प्रसाद , प्रेमचंद यादव, बिंदु देवी ,श्रीमती देवी ,सलमा देवी, झाड़ी देवी ,शारदा देवी, बबिता देवी, मीनू देवी, इत्यादि ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर बड़ेबड़े नेता आते हैं। ग्रामीणों का सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन देते हैं लेकिन अच्छी तरीके से बचाव रोधी कार्य यहां पर नहीं किया जाता है।ग्रामीणों ने कहा कि अगर अच्छी तरीके से बचाव रोधी कार्य नहीं हुआ तो तट बंध टूटने की आशंका है।

पताही थाना में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

जुलूस में डीजे और हथियार पर रहेगा प्रतिबंध

बीएनएम। पताही

मोहर्रम पर्व को लेकर पताही थाना परिसर में गुरुवार की शाम 4 बजे शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना अध्यक्ष विनीत कुमार एवं सीईओ व वीडियो सम्राट जीत ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में थाना अध्यक्ष विनीत कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि मोहर्रम के जुलूस में किसी भी प्रकार के धारदार हथियार जैसे भाला, तलवार आदि का प्रयोग नहीं किया जाएगा। साथ ही जुलूस में डीजे के प्रयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी भी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों में मोहम्मद कासिम, अभिषेक कुमार, मुखिया कृष्ण मोहन सिंह, सुनील कुमार शाह, मुखिया प्रतिनिधि सरोज सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। प्रशासन ने सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई है ताकि मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

आर्थिक तंगी से खुशहाल परिवार की रहस्यमयी मौत

गांव में पसरा मातम

पुलिस ने बरामद किया सुसाइड नोट, हथियार जब्त

बीएनएम। बगहा

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते एसडीपीओ बगहा

बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र स्थित रायबारी महुअवा पंचायत के पूर्व मुखिया अरविंद लाल श्रीवास्तव और उनकी पत्नी की रहस्यमयी मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। बुधवार की शाम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एफ एस एल की टीम ने रायबारी महुअवा गांव में पहुंच कर जांच कर घटना में प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया है। दो लोगों को गिरफ्तार भी पुलिस ने कर लिया है। घटना की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा कुमार देवेंद्र ने चौतरवा थाना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों लोगों को साक्ष्य छुपाने के आरोप में एफ आई आर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व मुखिया आर्थिक तंगी के कारण अपने और पत्नी की आत्महत्या कर ली थी ।

दो वर्षों से कैंसर से पीड़ित थे मुखिया

स्थानीय लोगों ने बताया कि दो वर्षों से पूर्व मुखिया अरविंद लाल श्रीवास्तव कैंसर जैसी घातक बीमारी से पीड़ित थे। उनकी इलाज महावीर कैंसर अस्पताल पटना में चल रहा था।

सुसाइड नोट बरामद

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा कुमार देवेंद्र ने बताया कि घटना स्थल से पुलिस ने एक सुसाइड नोट को बरामद की है। उन्होंने बताया कि सुसाइड नोट में पूर्व मुखिया अरविंद लाल श्रीवास्तव ने अपनी आर्थिक तंगी बताया है। उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की जांच हर पहलू पर सुक्ष्मता पूर्वक कर रही है।

निरंतर विकास की ओर आगे बढ़ रहा है लखीसराय : विजय सिन्हा

» **32 साल का हुआ लखीसराय जिला**

» धूमधाम से मनाया गया जिला स्थापना दिवस समारोह

» डिप्टी सीएम ने स्थापना दिवस का किया उद्घाटन

बीएनएम।लखीसराय

स्थापना दिवस पर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का स्वागत करते डीएम

जिला स्थापना दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरुवार को लखीसराय जिला 32 साल का हो गया।इस उपलक्ष्य में सुबह आरलाल कॉलेज मैदान परिसर से स्कूली छात्र छात्राओं के द्वारा प्रभातफेरी एवं विकास दौड़ निकाली गई। प्रभातफेरी एवं विकास दौड़ को डीएम मिथलेश मिश्र एवं जदयू जिलाध्यक्ष रामानंद मंडल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।दौड़ का मुख्य उद्देश्य था की स्वास्थ्य के प्रति लोगो को जागरूक करना। प्रभातफेरी आर लाल मैदान से होते हुये मुख्य बाजार से होकर कलेक्ट्रेट स्थित गाँधी मैदान पहुंचा। जहाँ डीएम ने स्कूली बच्चो को सम्बोधित किया उसके बाद डीएम ने एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया। उसके बाद डीएम एवं एसपी शहीद द्वार के समीप शहीद स्थल पहुंचकर शहीदों को नमन किया और माल्यार्पण किया। तत्तपश्चात् नगर भवन पहुंचकर बिभिन्न विभागों के द्वारा लगाये गये स्टॉल और प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और उसका उद्घाटन किया ।नगर भवन में आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डिप्टी सीएम विजय कुमार सिंन्हा, सूर्यगढ़ा विधायक प्रहलाद यादव, जदयू के जिलाध्यक्ष रामानंद मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष डीएम मिथिलेश मिश्र एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने लखीसराय के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। उन्होंने कहा कि लखीसराय शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में लगातार तरक्की कर रहा है। सरकार की मंशा है कि ऐसे जिले समग्र विकास के मॉडल बनें। उपमुख्यमंत्री ने जिलेवासियों, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और जिले के उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री का ऐलानः लखीसराय का नाम बदलकर 'लक्कीसराय' किए जाने का प्रस्ताव स्थापना दिवस पर नगर भवन में आयोजित मुख्य समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जिले को 'लक्कीसराय' नाम से पहचान देने का बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि लखीसराय का गौरवशाली अतीत, उसकी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना 'लक्कीसराय' नाम के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि एक समय यह जिला आतंकवाद और अपराध की चपेट में था, लेकिन अब प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयास से हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने जिले के विकास के लिए कई योजनाओं की भी घोषणा की। बालू और पत्थर खनन के टेंडर शुरू करने की बात कही गई, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बाजार समिति को आधुनिक रूप दिया जाएगा और बड़हिया से मुंगेर तक सिक्स लेन रोड के निर्माण का वादा भी किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग द्वारा एक लाभुक को वाहन की चाबी सौंपी गई, जबकि नगर परिषद की ओर से छह लाभुकों को नवनिर्मित घरों की चाबियाँ दी गईं।

बच्चों ने बनाई आकर्षक रंगोली

इस अवसर पर बच्चों ने रंगोली, नृत्य और संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कार्यक्रम को रंगारंग बनाया। विकास मेला में विभिन्न विभागों ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए। उपमुख्यमंत्री ने इन स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

आप काफी उत्साहित

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) काफी उत्साहित नजर आई। गुजरात की विसावदर सीट से गोपाल इटालिया व पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीते संजीव अरोड़ा, दोनों आप के उम्मीदवार हैं। केरल में नीलांबुर सीट कांग्रेसनीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को पछाड़ कर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से गुजरात की कड़ी सीट बरकरार रखते हुए राजेंद्र चावड़ा को जीत दिलाई। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की कालीगंज विधानसभा सीट पर पुनः कब्जा किया। भाजपा के आशीष घोष को यहां अलीफा अहमद ने हराया। सभी पांचों सीटों पर इसी माह की 19 तारीख को मतदान हुए थे। इनमें लुधियाना के चुनाव पर विशेषज्ञों की कड़ी नजर थी। क्योंकि अरोड़ा राज्य सभा सांसद हैं। जहां से वे इस्तीफा देंगे। विपक्ष का दावा था कि इस खाली हुई सीट से अरविंद केजरीवाल उच्च सदन जा सकते हैं। बहरहाल उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा कि यह फैसला आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी लेगी। इसके बाद कयास मनीष सिसोदिया को भेजने का है। हालांकि लंबी जेल भुगतने वाले सत्येंद्र जैन को भी दावेदार माना जा रहा है। मतगणना के वक्त कालीगंज के बारांचंदगर इलाके में हुए विस्फोट में नौ साल की बच्ची की मौत से उपजा मसला अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आसन फौरन ही दिया। हालांकि उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने काफी उदासीनता बरती। मगर भाजपा शीर्ष को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि प. बंगाल को लेकर वे ममता सरकार पर जिस तरह की तोहमतें लगाते रहे हैं। उसका नतीजा सबक लेने वाला है। जिसमें भाजपा को भारी मतों से मात मिली है। गुजरात और पंजाब में 2027 में विधानसभा होने हैं, यहां दोगुने अंतर से मिली जीत को केजरीवाल सेमीफाइनल के तौर पर देख रहे हैं। दोनों जगह मिली हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा देते हुए इसे पार्टी की हार की बजाए अपनी विफलता बताकर दांव चलने कोशिश की। इस पर कांग्रेस कौन सी करवट लेती है, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है।

दक्षिण भारत समेत महाराष्ट्र में हिन्दी विरोध का शोर

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

ये जिद आज भारत में उन तमाम करोड़ों लोगों की है, जोकि हिन्दी के सहारे अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं। हिन्दी उनके जीवन में परस्पर संवाद का काम करती है और उन्हें खुशहाल बनाती है। इसलिए ये साफ्टवेयर पर आज देश भर में यही कह रहे हैं, "हिन्दी बोलने के लिए साहब आप कितना भी क्यों न मारिए, पर मैं हिन्दी बोलना नहीं छोड़ूंगा।" पर कुछ सिरफिरे हैं, जिनके पास लगता है कोई काम नहीं, वह भाषा विवाद पैदा करके ही अपनी राजनीति चमकाते हैं, दक्षिण भारत के राज्यों से लेकर महाराष्ट्र तक में यह संकट बहुत घना है। अचानक बीच-बीच में यहां एक आन्दोलन खड़ा होता है और आवाज बुलंद की जाती है कि हिन्दी का विरोध करना है। अभी महाराष्ट्र से पहले तमिलनाडु, कर्नाटक में हिन्दी के खिलाफ आवाज तेजी से उठती दिखी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का कहना है कि राज्य में हिन्दी का विरोध किया जाएगा, क्योंकि हिन्दी मुखौटा है और संस्कृत छुपा हुआ चेहरा', पर कृपा वास्तव में ऐसा है? अभी सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के ठाणे में राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ताओं द्वारा एक गुजराती दुकानदार की पिटाई करता हुआ वीडियो वायरल हो रहा है, वास्तव में ये वीडियो बहुत आहत करता है। भाषा के लिए आप किसी को भी मारेंगे? एमएनएस कार्यकर्ता दुकानदार से कहते हैं कि ये महाराष्ट्र है, इसलिए यहां मराठी बोलना ही होगा। राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से मराठी और इंग्लिश अनिवार्य करने की अपील की है। इन्हें हिन्दी से दुश्मनी है! दूसरी ओर महाराष्ट्र में 16 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने का फैसला लिया गया था। इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिन्दी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था। किताबे छप चुकी, लेकिन अब एमएनएस की तरह ही राज्य में कई संगठन और राजनीतिक दलों ने हिन्दी पढ़ाने का विरोध जारी रखा। जिसके चलते आखिरकार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने 22 अप्रैल को हिन्दी अनिवार्य करने का अपना निर्णय वापस ले लिया। लेकिन इसके बाद भी महाराष्ट्र में हिन्दी बोलने पर लोगों को पीटा जा रहा है। यहां गंभीरता से विचार सभी को यह अवश्य करना चाहिए कि आखिर केंद्र की मोदी सरकार त्रि-भाषा सूत्र को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में क्यों लेकर आई। तथ्यों को गहराई से जानें तो भारत में स्वाधीनता के बाद सबसे पहले त्रि-भाषा सूत्र को राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग) ने वर्ष 1968 की नीति में उल्लेखित किया था। कोठारी आयोग ने ही सिफ़ारिश की थी कि हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिंदी तथा अंग्रेजी के अतिरिक्त एक आधुनिक भारतीय भाषा अथवा दक्षिण भारत की भाषाओं में से किसी एक के अध्ययन की व्यवस्था एवं अहिन्दी भाषी राज्यों में राज्य भाषाओं एवं अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी के अध्ययन की व्यवस्था की जाए। इसी व्यवस्था को त्रि–भाषा सूत्र के नाम से जाना गया। इस आयोग की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए भारत की संसद द्वारा एक संकल्प पारित किया गया जिसे 'राजभाषा संकल्प 1968' के नाम से जाना जाता है। राजभाषा संकल्प 1968 के अनुसार- भारत की एकता एवं अखंडता की भावना को बनाए रखने एवं देश के विभिन्न भागों में जनता में संपर्क सुविधा के लिए यह आवश्यक है कि भारत के केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों के परामर्श से तैयार किए गए त्रि-भाषा सूत्र को सभी राज्यों में पूर्णत कार्यान्वित किया जाएगा। कोठारी आयोग के बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में केंद्र सरकार द्वारा एक समिति का गठन किया गया। चूंकि त्रि-भाषा सूत्र को पूरी तरह व्यावहारिक तौर पर लागू नहीं किया जा सका था, इसलिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी इस बात का उल्लेख किया गया कि उपर्युक्त त्रि-भाषा सूत्र को लागू किया जाएगा। अब थोड़ा अध्ययन अपने आसपास के देशों का और युरोप सहित दुनिया के प्रमुख देशों का भी भाषा के स्तर पर कर लेना चाहिए। भारत के पड़ोसी देश चीन में 300 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं। चीनी भाषा (सिनिटिक) में सात मुख्य भाषा समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें मंदारिन, वू, कैंटोनीज़, मिन, हक्का, गान और जियांग शामिल हैं। किंतु एक भाषा के स्तर पर चीन की आधिकारिक भाषा मंदारिन है। इन सभी में भारत की तरह से कोई आपसी विरोध नहीं दिखता। नेपाल में 124 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। जिसमें कि नेपाली देश की आधिकारिक भाषा है । इसके बाद मैथिली दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। नेपाल में कई अन्य भाषाओं में भोजपुरी, थारू, नेवारी, लिम्बू, राय, शेरपा, मगर, गुरुंग हैं। पाकिस्तान में लगभग 70 से 80 भाषाएं हैं। उर्दू को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। पंजाबी, पश्तो, सिंधी, सरायकी और बलूची जैसी भाषाएं भी पाकिस्तान में व्यापक रूप से लोग बोलते हैं। हिंडको, ब्राहवी, कोहिस्तानी, और अन्य कई भाषाएं भी पाकिस्तान में बोली जाती हैं। पर उर्दू के मामले में सभी एकमत हैं। भारत के एक अन्य पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में लगभग 40 क्षेत्रीय भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 36 जातीय अल्पसंख्यक भाषाएं हैं और 6 गैर-जातीय अल्पसंख्यक भाषाएं हैं। आधिकारिक भाषा बांग्ला है। कुछ प्रमुख भाषाएं हैं- चकमा, उर्दू, गारो, मीतेई, कोकबोरोक, और राखीन। इस देश में भी कोई भाषा विवाद नजर नहीं आता। अफगानिस्तान में मुख्य रूप से दो आधिकारिक भाषाएं हैंः पश्तो और दारी। इसके अलावा, कई अन्य क्षेत्रीय और अल्पसंख्यक भाषाएं भी बोली जाती हैं, जैसे कि उज्बेकी, तुर्कमेनी, बलूची, पशाई, अरबी, उर्दू, और कुछ पामीरी भाषाएं। श्रीलंका में मुख्य रूप से दो भाषाएं बोली जाती हैं, सिंहली और तमिल। कुछ लोग क्रियोल मलय जैसी अन्य भाषाएं भी बोलते हैं। पर आपस में किसी का कोई परस्पर भाषायी विवाद नहीं। जर्मनी में लगभग 250 बोलियां हैं, जिनमें से मानक जर्मन देश की आधिकारिक भाषा है। यहां प्रमुखता सेतुर्की, कुर्द, पुर्तगाली, अरबी, अल्बानियाई, रूसी, पोलिश, आदि, जो जर्मनी में प्रवासी समुदायों द्वारा बोली जाती हैं। जर्मनी में अंग्रेजी, फ्रेंच और लैटिन जैसी विदेशी भाषाएं भी स्कूलों में पढ़ाई जाती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 350 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिसमें सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा अंग्रेजी और इसके बाद स्पेनिश का नंबर आता है। इसके साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 150 मूल अमेरिकी भाषाएं भी बोली जाती हैं। रूस में, रूसी भाषा राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र आधिकारिक भाषा है, लेकिन इसके अलावा, 35 अन्य भाषाएं भी हैं जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। फ्रांस में फ्रेंच देश की आधिकारिक भाषा है, वहीं लगभग 75 क्षेत्रीय भाषाएं भी बोली जाती हैं, जिनमें से कुछ को स्कूलों में भी पढ़ाया जाता है। जिनमें ओसीटान, ब्रेटन, बास्क, कोर्सीकन, अलसैटियन और कुछ मेलानेशियन भाषाएं शामिल हैं। जापान में जापानी भाषा बोली जाती है। साथ ही कुछ क्षेत्रीय भाषाएं और बोलियां भी हैं, जैसे कि रयुक्युआन भाषाएं, जो ओकिनावा और कागोशिमा के कुछ हिस्सों में बोली जाती हैं, और ऐनू भाषा, जो होक्काइडो में बोली जाती है। ब्रिटेन में अंग्रेजी के अलावा कई अन्य भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से कुछ स्वदेशी हैं और कुछ विदेशी हैं। यहां वेल्श, स्कॉटिश गेलिक, आयरिश, स्कॉट्स और कॉर्निश जैसी स्वदेशी भाषाएं भी मौजूद हैं। ब्रिटेन में दुनिया भर से आए प्रवासियों के कारण कई विदेशी भाषाएं भी बोली जाती हैं, जैसे कि पोलिश, बंगाली, पंजाबी, उर्दू, और फ्रेंच। कुल यहां पर 300 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। ब्रिटेन की तरह ही ऑस्ट्रेलिया में भी 300 से अधिक भाषाएं हैं, जिनमें अंग्रेजी राष्ट्रीय भाषा है। अन्य प्रमुख भाषाओं में मंदारिन, अरबी, कैंटोनीज़, वियतनामी और इतालवी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया में 23 स्वतंत्र भाषा परिवारों और 9 अलग-अलग समूहों को मान्यता दी गई है, जिसमें कुल 32 स्वतंत्र भाषा समूह हैं। दूसरी तरफ भारत में 121 प्रमुख भाषाएं और 270 मातृभाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 22 भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं के रूप में मान्यता दी गई है। असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू। कहना होगा कि भारत में भाषाओं की विविधता देश की सांस्कृतिक समृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैसा कि हम अन्य देशों के स्तर पर देख सकते हैं। पर भारत में तो आपस में विवाद हो रहा है। हिन्दी किसी पर थोपी नहीं जा रही, पर माहौल यही बनाया जाता है।

इतिहास पुरुष स्वामी विवेकानंद

अरुण कुमार दीक्षित

स्वामी विवेकानंद इतिहास पुरुष हैं। वे सनातन के महान प्रतिनिधि हैं। वे भारतीय संस्कृति के स्वभाव को दुनिया के देशों में ले गए। उस कालखंड में यह कार्य असम्भव था। वे भारत को भी प्राचीन संस्कृति का स्मरण कराते रहे। उनका राष्ट्र धर्म विश्व धर्म था। उन्होंने वेद उपनिषद, ब्रह्म सूत्र, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक, योग का अध्ययन कर ज्ञान योग की बात की। वे ग्रन्थों से भारत के ऋषियों के ज्ञान विज्ञान की संस्कृति जन जन तक ले जाने के कर्म योग में थे। स्वामी विवेकानंद जितना प्रभावशाली अपने जीवनकाल में रहे उनके न रहने के बाद उनका प्रभाव बढ़ा है। वे युवाओं को राष्ट्र प्रेम से सम्बद्ध करते हैं। संस्कृति सभ्यता से जोड़ते हैं। वे युवाओं में विशेष ऊर्जा का संचरण करते हैं। वह मौलिक बात करते हैं। वे धर्म की बात प्राथमिक न कह कर सीधे भौतिक प्रश्न करते हैं। वे कहते हैं जो भूखे हैं उन्हें प्राथमिकता में पहले भोजन का प्रबंध हो। जो वस्त्रहीन हैं उन्हें वस्त्र चाहिए। बुनियादी प्रश्नों के हल के बाद हम धर्म की बात कर सकते हैं। वह वंचितों के लिए प्रश्न खड़े कर रहे हैं। वह किसी पूजा, उपासना की बात प्राथमिक नहीं करते हैं। वे अधिक जोर कर्म पर ही दे रहे हैं। वह अभाव को ईश्वरीय देन नहीं मानते। तभी तो वह उठो जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको का संदेश दे रहे थे। वे भक्ति, पूजा, उपासना, प्रेम,श्रद्धा की ओर प्रत्येक को ले जाना चाहते हैं। वह विश्व बंधुत्व की बात कर रहे हैं। वे प्रत्येक में व्यक्ति ईश्वरत्व देखते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में अनंत ऊर्जा देखते हैं। विवेकानंद चाहते थे कि लोग राष्ट्रभक्ति भाव से भर जाएं। वह उपनिषदों का अध्ययन करने के बाद निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उपनिषदों का प्रत्येक पृष्ठ मुझे शक्ति का संदेश देता है। उपनिषद कहते हैं ,हे मानव तेजस्वी बनो। दुर्बलता को त्याग दो। संपूर्ण जगत के साहित्य में इन्हीं उपनिषदों में भयशून्य यह शब्द बार-बार प्रयोग हुआ। और संसार के किसी भी शास्त्र में ईश्वर या मानव के प्रति भय शून्य यह विशेषण प्रयुक्त नहीं हुआ है, कि निर्भय बनो। उपनिषदों द्वारा मुक्ति और स्वाधीनता का उद्घोष किया गया है। यहां पर लाहौर में दिए गए उनके तीन वक्तव्यों का उल्लेख आवश्यक प्रतीत हो रहा है। पहला "हिंदू धर्म के सामान्य आधार" पर ,दूसरा भक्ति पर ,तीसरा वक्तव्य वेदांत पर था। उन्होंने कहा यह वही पवित्र भूमि है जो आर्यावर्त में पवित्रम मानी जाती है। यह वही ब्रह्मावर्त है। इसका उल्लेख हमारे महर्षि मनु ने किया है। यह वही भूमि है जहां आत्म तत्व आकांक्षा का प्रबल स्रोत प्रवाहित हुआ है। जैसा कि इतिहास से प्रकट है। जहां वेगवती नदियों की तरह समान आध्यात्मिक महत्वाकांक्षाएं उत्पन्न हुई। फिर धीरे-धीरे एक धारा में होकर शक्ति संपन्न हुई है। आर्यावर्त में हमलावर बर्बर जातियों के प्रत्येक हमले का सामना इसी वीर भूमि ने छाती खोलकर किया। वही भूमि है जहां गुरु नानक ने विश्व प्रेम का उपदेश दिया। जहां केवल हिन्दुओं को ही नहीं मुसलमान को भी गले लगाने के लिए अपने हाथ फैलाए। गुरु गोविंद सिंह ने धर्म रक्षा के लिए अपना और प्रिय जनों का रक्त बहा दिया। लोगों ने उनके साथ छोड़ दिया। हे पंचनद के भाइयों अपनी इस प्राचीन भूमि में तुम लोगों के सामने आचार्य रूप में नहीं खड़ा हुआ हूं। मैं तो यह खोजने आया हूं कि हम लोगों की मिलन भूमि कौन सी है। यहां मैं जानने आया हूं कि कौन सा आधार है कि हम लोग आपस में सदा भाई बने रह सकते हैं। कुछ रचनात्मक कार्यक्रम रखने आया हूं। स्वभावतः इस देश में मेधा संपन्न महापुरुषों का जन्म हुआ। उनके हृदय में सत्य,न्याय, के प्रति प्रबल अनुराग था। पुनर्निर्माण का समय आ गया है। बिखरी शक्तियों को एक ही केंद्र में लाकर सदियों से रुकी उन्नति में अग्रसर करने का समय आ गया है। मैं हिंदू शब्द का प्रयोग बुरे अर्थों में नही कर रहा।जो बुरा मानते हैं अर्थ समझते हो। प्राचीन काल में उस शब्द का अर्थ था सिंधु नद के दूसरी ओर बसने वाले लोग। हमसे घृणा करने वाले बहुतेरे लोग आज उस शब्द का कुत्सित अर्थ भले लगाते हो, पर केवल नाम में क्या धरा है। हिंदू नाम ऐसी प्रत्येक वस्तु का द्योतक रहे जो महिमामय हो। अध्यात्मिक हो। यदि आज हिन्दू शब्द का कोई बुरा अर्थ है तो उसकी परवाह मत करो। अपने कार्यों आचरण द्वारा दिखाने को तैयार हो जाओ कि समग्र संसार की कोई भी भाषा इससे ऊंचा , महान शब्द अविष्कार नही कर सकी। विवेकानंद कह रहे हैं कि तुम्हें अपनी हिन्दू संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। तुम आर्यावर्त की महान संतान हो। तुम सबको साथ लेकर सबको गले लगाकर चलो। यह यात्रा अनंत है। वे दूसरी बात कठोपनिषद की ऋचा,न तत्र सूर्यो भाति न चंद्रतारकम से उधृत कर भक्ति पर कह रहे हैं। वहां सूर्य प्रकाश नही करता। चन्द्र और तारे वहां नही हैं। बिजलियां नहीं चमकती। इस भौतिक अग्नि का कहना ही क्या। वे कहते हैं इस अपूर्व हृदय स्पर्शी कविता सुनते हुए मानो इस इंद्रियगम्य जगत से, बुद्धि से भी दूर पहुंचते हैं। जिसे किसी काल में का ज्ञान विषय नहीं बनाया जा सकता है। वह सदा हमारे पास रहता है। इस तरह भक्ति के बीज पहले से ही विद्यमान है। संहिताओं में हमें परिचय मिलता है। भक्ति के लिये पुराणों को समझना होगा। पुराणों में भक्तिवाद स्पष्ट दिखाई देता है।तीसरी बात वेदांत की कर रहे हैं। जगत दो हैं। एक बहिर्जगत दूसरा है अंतर्जगत। प्राचीनकाल से मनुष्य दोनों भूमियों में समानांतर रेखाओं की तरह बराबर उन्नति करते आये हैं। मनुष्यों ने पहले समस्याओं के उत्तर की बाह्य प्रकृति से चेष्टा की। ईश्वर तत्व उपासना तत्व अदभुत सिद्धान्त प्राप्त हुए। उस शिव सुंदर का उन्होंने अपूर्व वर्णन किया। इस जगत को विश्व के बाहर के किसी ईश्वर ने नही बनाया। यह अपने आप सृष्ट हो रहा है। अभिव्यक्ति हो रही है।अनन्त सत्ता ब्रम्ह है। (विवेकानंद साहित्य खंड पांच) वे वेदांत को सर्वोपरि कह रहे हैं। वे परम सत्ता के प्रति विनयावनत हैं। भारतीय दर्शन समग्र की बात करता है। सब अद्वैत है। वह दिखता भिन्न भिन्न रूपों में है। वह है एक ही सत्ता। यह वेदांत के अतिरिक्त किसी दर्शन में नही है। तभी वे कहते हैं यह गर्व की भूमि है। प्रेम, करुणा, दया, क्षमा, शील की भूमि है। आज भी प्रासंगिक हैं विश्व द्रष्टा विवेकानंद।

भारत में विदेशी विचारों वाले कचरे का आयात बढ़ा है। कभी सेवा के नाम पर। कभी दवा के नाम पर तो कभी वस्तुओं के कारण पाश्चात्य के संबंध गहरे हुए हैं। पाश्चात्य संस्कृति ने भारत के प्रत्येक आंगन को खंडित किया है। उसकी भरपाई आज की पीढ़ी को करनी होगी? यह बात बिल्कुल भौतिक है। दुनिया के देश भारत की संस्कृति पर सदियों से हमलावर हैं। तलवार के बल पर शासन किया। मतांतरित किया। अंग्रेज भारत को गुलाम बनाने में सफल रहे। प्राचीन काल से भारत आकर्षण का केंद्र रहा है। गुलामी से मुक्ति के लिए बलिदान करने पड़े। जिन शक्तियों ने भारत को गुलाम बनाया वे भारत के हितैषी कैसे हो सकते हैं? विवेकानंद कह रहे हैं तुम्हारा आत्मबल राष्ट्र के लिए कमजोर क्यों है। वेदांत संपूर्णता की बात करता है। वह भी समग्रता की बात कर रहे हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। आपके पड़ोसी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे, उनके घर आना - जाना होगा। आज आपका झुकाव अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा, जिससे आज आपका मन शांत रहेगा। आज आप बच्चों के साथ कहीं घूमने जा सकते है और आपको काम के सिलसिले में दूसरे शहर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्तिथि और मजबूत बनेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। आज आपके रुके हुए कार्यों को प्रगति मिलेगी, जो आपकी तरक्की में सहायक सिद्ध होंगें। भाई - बहनों के साथ आज आप मौज - मस्ती करेंगें, बुजुर्गों की बातों पर भी ध्यान देंगें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा, लेकिन जल्दबामें कोई फैसला न करें। आज शेयर मार्केट में सोच समझकर इन्वेसट करने से बढ़िया धन लाभ होगा। शादीशुदा रिश्तों में ताल - मेल बना रहेगा, बच्चे खुश रहेंगें। नौकरी कर रहे लोगों को आज कोई नया ऑफर मिल सकता है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप किसी स्टार्टअप में इन्वेस्ट करके बड़ा मुनाफा कमाएंगे। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आज से आप जिम ज्वाइन कर सकते हैं। आज आप बच्चों को एक्स्ट्रा एक्टिविटी के लिए क्लासेज भेजने का विचार कर सकते हैं, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमता का विकास होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। लेखक आज समाज में घट रही घटनाओं के ऊपर कहानी लिखने का विचार कर सकते है। आज आपको टीवी डिबेट में शामिल होने का शानदार मौका मिलेगा। आज आप सोने - चांदी से जुड़े गहनों की खरीददारी कर सकते हैं। ऑफिस में रोज की अपेक्षा आज आपको ज्यादा काम करना पड़ सकता है, काम के साथ आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने काम को बहुत अच्छे ढंग से करेंगे, जिससे बॉस आपकी तारीफ करेंगे। अविवाहित व्यक्तियों को आज विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा। आज आपको किसी व्यक्ति से धन लाभ होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, माता - पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा, जिससे परिवार में खुशियां आयेंगी। आज से आप आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत करेंगे, जिससे आंतरिक सुख की प्राप्ति होगी। लंबे समय से चल रही किसी समस्या का समाधान होगा, जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी, जिससे घर में आनन्द का माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आपको कुछ कार्यों में तत्काल प्रभाव से परिणाम मिलेगा। आज आप अपना सोशल बिहेवियर ठीक रखें, जिससे लोग आपके काम को सम्मान देंगे। घर लेने वालों के लिए आज अच्छा दिन है, आप डील फाइनल कर सकते है।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगें, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपकी नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बनती दिख रही है। रोज की अपेक्षा आज आपको ज्यादा भाग दौड़ करनी पड़ सकती है, बच्चे आपका सहयोग करेंगें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी अटके हुए काम को पूरा करने का प्रयास कर सकते हैं, जीवनसाथी से सहयोग की प्राप्ति होगी। प्राइवेट ऑफिस में नौकरी करने वालों को आज उन्नति के अवसर प्राप्त होंगें, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप परिवार के साथ बाहर खाने पर जा सकते हैं।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। व्यापारिक दृष्टि से आज आपको बढ़िया धन लाभ होगा, भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। आज आपका मन अध्यात्म में ज्यादा लगेगा, जिससे मानसिक शांति का अहसास होगा। लंबे समय बाद आज आपकी बात किसी दोस्त से होगी, उससे मिलने भी जा सकते हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। व्यापार में धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। बैंक में नौकरी करने वाले व्यक्तियों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगें। मीडिया जगत से जुड़े लोग आज किसी बड़ी खबर पर चर्चा करेंगें। आज आपको प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का एक अच्छा ऑफर मिलेगा।

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

नरेन्द्र भारती

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है । 56 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है 1 कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दिया h 1 प्रदेश में.245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएं तबाह हो गई हैं ।जून महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है ।बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 की काली और खौफनाक रात को गोहर के सयाँज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं 1 करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गईं है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगस्त महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है ।कुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी 1 गत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ।24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।20 अगस्त 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएंगें।20 अगस्त को मंडी के गोहर के काशन में एक मकान जमींदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे।एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी। बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था।चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गाड़ियां फिसल रही थी।भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था।युवक की स्कूटी नाले में बह गइ थीं।आनी में भी भूस्खलन से श्रध्दालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे।मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।गौशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं।गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे।बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी।गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं।नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं।गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे।प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में रातें काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ थीं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।इससे पहले 2017वर्ष की12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा जा रही दो बसें दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी। चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-सम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके से खेल सकते हैं सैमसन

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है।गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है। सैमसन पिछले कई वर्षों से राजस्थान टीम का अहम हिस्सा रहे है पर कप्तान के तौर पर रियान पराग के सामने आने के बाद उनके लिए टीम में बने रहना आसान नहीं होगा। पिछले सत्र में जब सैमसन चोटिल थे जब पराग ने टीम की कमान संभाली थी। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और खराब फार्म से भी रॉयल्स उन्हें बदलना चाहेगी।

दिल्ली प्रीमियर लीग की नीलामी में शामिल होंगे ऋषभ , इशांत जैसे सितारे

▪ लीग में दो नई फ्रेंचाइजी जुड़ीं

नई दिल्ली । दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र के लिए नीलामी की दौड़ में ऋषभ पंत, इशांत शर्मा, प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने इस सत्र के लिए दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ी हैं। इसमें आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए, वही नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा है। इससे अब इस लीग में टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ पहुंच गई है। वहीं इसमें पहले से ही सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस जैसी टीमें शामिल हैं। दूसेर सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों क्रिकेट टीम के लिए नीलामी 6 जुलाई को होगी, वहीं महिला क्रिकेट टीम के लिए नीलामी 7 जुलाई को होगी। सबसे महित्वपूर्ण बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे भी शामिल हैं। डीपीएल से ही प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं उभरीं हैं। ऐसे में भविष्य के सितारों के लिए ये लीग और भी अहम हो जाती है।

अब तन्वी की नजरें एशियाई जूनियर चैंपियनशिप पर लगीं

चंडीगढ़ । उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा अब अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने की तैयारी करेंगी। इसके लिए वह गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। ये टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी। तन्वी ने हाल ही में हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 के महिला एकल वर्ग में रजत पदक जीता था। तन्वी को बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन के महिला एकल के फाइनल में अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व में 66वें स्थान पर कायम तन्वी इसके बाद जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने प्रदर्शन से उसने सभी को हैरान किया है। उसने इस दौरान अपने से उंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। तन्वी ने पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया है। इस दौरान उसे भारत की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अभ्यास का अवसर मिला जिससे उसका कौशल भी बेहतर हुआ। इस दौरान तन्वी को अपने परिवार का भी पूरा सहयोग मिला।

शुभमन लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बने

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। शुभमन ने कठिन हालातों में कप्तान के तौर अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पहली पारी में ये शतक लगाया जिससे भारतीय टीम संभल गयी। ये कप्तान के तौर पर यह उनका दूसरा और कुल मिलाकर सातवां टेस्ट शतक रहा। पहले टेस्ट में भी उन्होंने शतक लगाया था। शुभमन ने इसके साथ ही एक से अधिक रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। शुभमन अब इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले कप्तान बन गये हैं। वहीं इससे पहले केवल विजय हजारे औरर अजहरुद्दीन के नाम ही कप्तान के तौर पर लगातार दो मैचों में शतक हैं। इस प्रकार वह लगातार दो शतक लगाने वाले तीसरे टेस्ट कप्तान बने हैं। इसके अलावा शुभमन अब अपने पहले दो टेस्ट मैच में शतक लगाने के मामले में विराट कोहली, विजय हजारे और सुनील गावस्कर के क्लब में शामिल हो गये हैं।

राष्ट्रीय टीम के अलावा इंग्लैंड में खेल रहे वैभव, तिलक सहित अन्य क्रिकेटरों पर भी रहेंगी गंभीर की नजरें

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही अंडर-19 टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इसके अलावा टीम से बाहर चल रहे कई युवा क्रिकेटर यहां काउंटी में खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें मुख्य टीम के अलावा यहां खेल रहे अन्य खिलाड़ियों पर भी रहेंगी। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय अंडर 19 टीम में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित कई उभरते हुए क्रिकेटर हैं। इसे अलावा तिलक वर्मा, ईशान किशन सहित कई अन्य युवा खिलाड़ी काउंटी में खेल रहे हैं। काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछली बार एसेक्स के खिलाफ शानदार शतक लगाने के बाद इस क्रिकेटर ने वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 56 रन बनाये। तिलक भारतीय टी20 टीम के सदस्य हैं पर टेस्ट में अब तक जगह नहीं बना पाये हैं। मुशीर खान मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मुशीर खान ऑलराउंडर हैं। इंग्लैंड में मुंबई इमर्जिंग टीम की ओर से मुशीर ने नॉटिंघमशर की सेकंड इलेवन के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुम्बई क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित दौरे पर एक माह के लिए इंग्लैंड गये हैं। ईशान किशन भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन काउंटी भी आजकल क्रिकेट खेलकर में शामदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नॉटिंघमशायर काउंटी की ओर से खेलते हुए इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। समरसेट के खिलाफ मैच में ईशान ने 128 गेंदों में 77 रन बनाए थे। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने यॉर्कशायर के खिलाफ 98 गेंदों में 87 रन बनाए थे।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी

नई दिल्ली । रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

रुस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा....समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन । भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा। दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है। अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तब भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500 प्रतिशत शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।इस बीच, भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहा हैं। इस समझौते का उद्देश्य ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत जवाबी टैरिफ से बचना है। अगर यह समझौता हो जाता है, तब भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में बड़ी राहत मिल सकती है। भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद लगातार बढ़ रही है। मई 2025 में यह आयात 1.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो पिछले 10 महीनों में सबसे अधिक है। अब स्थिति यह है कि भारत ने पश्चिम एशियाई देशों से ज्यादा तेल रूस से खरीदना शुरू कर दिया है।

अमेरिकी डॉलर में आई गिरावट, दुनिया के देशों पर इसका नहीं पड़ेगा असर

अमेरिकी जानकार बोले- ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से बनी यह स्थिति, बढ़ेगी महंगाई

वॉशिंगटन । इस साल अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई। 1973 के बाद से अब तक ऐसा पहली बार है, जब एक साल के अंदर ही डॉलर में भारी गिरावट दर्ज देखी गई। भारतीय रुपए के मुकाबले एक डॉलर की कीमत 85 रुपए है। 20 जून को ही रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले 86.60 थी। कई करेंसीज के मुकाबले इस साल की शुरुआत से अब तक डॉलर पहले की तुलना में 10 फीसदी तक कमजोर हुआ है। हालात यह है कि अमेरिकी करेंसी में निवेश करने वाले लोग निकल जाना चाहते हैं। ऐसा इसलिए ताकि महंगाई के संकट में यदि बाजार में गिरता है तो नुकसान से बच सकें। अमेरिकी बाजार जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी के चलते यह स्थिति बनी है। चीन, भारत, ब्राजील जैसे देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात की कीमत में इजाफा हुआ है और डॉलर कमजोर हुआ है। अब तक डॉलर को सबसे सुरक्षित करेंसी माना जाता रहा है। लेकिन इसमें भरोसे में कमी आई है। इंपोर्ट पर टैरिफ बढ़ गया है, जिसके चलते भारत और चीन जैसे देशों से अमेरिका पहुंचने वाला सामान महंगा हो गया है। इससे अमेरिका में महंगाई बढ़ गई और डॉलर भी कमजोर हो गया है। इस स्थिति से दूसरे देशों को परेशानी पहुंचाने वानर नहीं है, जितनी अमेरिका के लोगों को है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में महंगाई बढ़ने का डर है। ऐसा होगा तो ग्रोथ में भी कमी आएगी। लोग कम निवेश करेंगे और ज्यादा से ज्यादा पैसा लोग अपने पास रखना चाहेंगे। एक समस्या यह है कि अमेरिकी बाजार की स्थिरता को लेकर भी निवेशकों में भरोसा कम हुआ है। एक जानकार का कहना है कि अमेरिकी अथॉरिटीज ने जिस तरह से टैरिफ में इजाफा किया है, उससे बड़ा नुकसान हुआ है। अमेरिकी बाजार में ही अस्थिरता आई है और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। इसके अलावा अमेरिकी बाजार में भी उत्पाद महंगे हुए हैं। महंगाई के चलते डॉलर कमजोर हुआ है। जानकारी के मुताबिक ट्रंप के टैरिफ वॉर और फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर हमलों ने डॉलर की सुरक्षित हेवन छवि को क्षति पहुंचाई है।

सोने में तेजी , चांदी में नरमी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी रही जबकि चांदी के वायदा कारोबार में नरमी रही। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 97,450 रुपये जबकि चांदी 1,07,450 रुपये के करीब रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर कुछ समय में ही ये नीचे आने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध गिरावट के साथ ही 97,389 रुपये के भाव पर पहुंच गया जबकि ये गत दिवसस 97,390 रुपये बंद हुआ था। आज यह अनुबंध 60 रुपये की तेजी के साथ ही 97,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,500 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,389 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल कर लिया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे चांदी की चमक पड़ी फीकी चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर अनुबंध आज 107 रुपये टूटकर 1,07,411 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,07,518 रुपये था। ये अनुबंध 61 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,457 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,7,457 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,313 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी की कीमतें शुरुआती तेजी के बाद नीचे आने लगीं। कामेक्स पर सोना 3,369 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,359.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं चांदी के वायदा भाव 36.79 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 36.72 डॉलर था।

निसान ने पेश किया सबसे पावरफुल वर्जन 2026 निसान पैट्रोल निस्मो

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी निसान ने अपनी आइकॉनिक एसयूवी पैट्रोल का अब तक का सबसे पावरफुल वर्जन 2026 निसान पैट्रोल निस्मो पेश किया है। यह एसयूवी सिर्फ परिवार के आराम के लिए नहीं, बल्कि रेसिंग जैसी परफॉर्मेंस का अनुभव देने के लिए बनाई गई है। इसके डिजाइन में नया वी-मोशन हनीकॉम्ब पैटर्न ग्रिल दिया गया है, जो न सिर्फ आकर्षक दिखता है बल्कि बेहतर एयरफ्लो भी देता है। गाड़ी का लुक पहले से ज्यादा बोल्ड और स्पोर्टी है। इसमें रेसिंग-स्टाइल डिफ्यूजर, एयरोडायनामिक स्पॉइलर और एफ1 इंस्पायर्ड रियर फॉग लैंप दिए गए हैं। बंपर और साइड स्कर्ट्स पर मिलने वाले रेड एक्सेंट्स और 22-इंच फॉर्ज्ड अलॉय व्हील्स इसे बेहद आक्रामक अंदाज देते हैं। रंग विकल्पों में वाइट पर्ल, ग्रे मेटैलिक, ब्लू मेटैलिक, ब्लैक पर्ल और खास स्टेल्थ ग्रे के साथ मोनोटोन और डुअल-टोन फिनिश शामिल हैं। इंटीरियर में रेड सीट बेल्ट्स, रेड स्टार्ट/स्टॉप बटन, कार्बन-फाइबर स्टाइल इंसर्ट्स और एल्युमिनियम पैडल्स दिए गए हैं, जो स्पोर्ट्स और लक्जरी का बेहतरीन मेल पेश करते हैं। इसके अलावा इसमें शानदार स्पेस भी है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 3.5 लीटर ट्विन-टर्बो वी 6 इंजन दिया गया है जो 488 बीएचपी पावर देता है, जो स्टैंडर्ड मॉडल से लगभग 70 बीएचपी ज्यादा है।

सादिया खतीब बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो फिल्म सिला में हर्षवर्धन राणे के साथ करेंगी रोमांस?

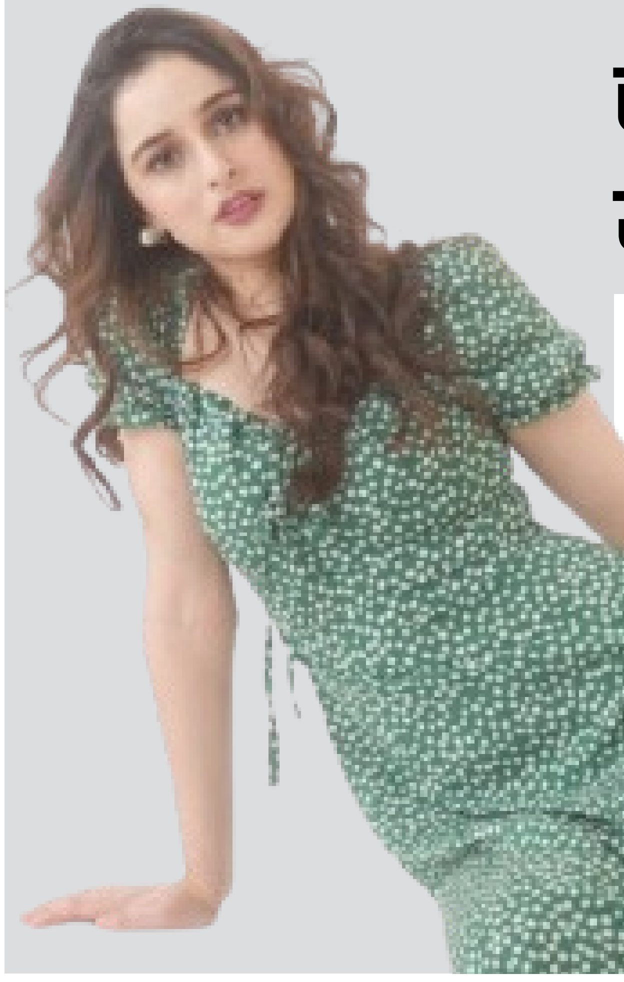

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता हर्षवर्धन राणे अपनी आगामी फिल्म सिला को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ओमंग कुमार ने संभाली है, जिन्हें मैरी कॉम और सरबजीत जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। सिला में हर्षवर्धन की जोड़ी अभिनेत्री सादिया खतीब के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर सादिया हैं कौन।

सादिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 18 सितंबर, 1997 को जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में हुआ था। सादिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। हालांकि, उन्हें बचपन से अभिनय में रुचि थी। सादिया ने फिल्म शिकारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में सादिया के काम को काफी पसंद किया गया था। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी यह फिल्म 11 अगस्त, 2022 को दर्शकों के बीच आई थी। सादिया आखिरी बार फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ काम किया था। शिवम नायर इस फिल्म के निर्देशक हैं।

फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे सीजन का ऐलान, मस्ती और ड्रामा का लगेगा तड़का, पहला पोस्टर आया सामने

प्राइम वीडियो ने ऐलान किया कि अमेजन ओरिजिनल सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज का फिनाले अब जल्द ही प्रीमियर होने जा रहा है. दर्शक जहां इसकी वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं इस इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड सीरीज़ के अगले चैप्टर की घोषणा से एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है. प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस के प्रोडक्शन में बनी और रंगीता प्रीतीश नंदी और इशिता प्रीतीश नंदी द्वारा क्रिएट की गई इस ग्लोबली-अक्लेम्ड शो ने अपने बोल्ड और मोटिवेटिंग स्टोरीटेलिंग, शानदार विज़ुअल स्टाइल और आज की महिलाओं की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को रियल तरीके से दिखाकर सभी को खूब कनेक्ट किया है. सीज़न 4 पूरी तरह खुशी से भरा है और इस बार दामिनी, अंजना, सिद्दी और उमंग ये जानने वाली हैं कि उन्हें किसी और का नंबर वन बनने की ज़रूरत नहीं बल्कि वो खुद अपनी लाइफ की हीरो हैं, क्योंकि खुशी कोई लग्ज़री नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है. गर्ल्स फिर लौट आई हैं और इस बार साथ है और भी ज्यादा मस्ती, ड्रामा, शॉट्स और तड़का. इस नए चैप्टर में आइडेंटिटी, इंडिपेंडेंस, फ्रीडम और इंटिमेसी जैसे इमोशन्स को और गहराई से एक्सप्लोर किया जाएगा, वो भी शो के उसी सिग्नेचर अंदाज में यानी ईमानदारी, ग्लैमर और जबरदस्त ह्यूमर के साथ. इस बार कुछ नए चेहरे भी नजर आएंगे और शो की फेमस गर्ल्स ट्रिप्स तो हैं ही, जो आपको भी बैग पैक कर के उनके साथ निकल पड़ने पर मजबूर कर देंगी। कुल मिलाकर, ये सीज़न लाएगा दस गुना ज्यादा मस्ती, कैमिस्ट्री और हलचल से भरा होने वाला है. बेबाक अंदाज़ और दिल से जुड़ी कहानी के साथ ये शो दोस्ती, प्यार और खुद से मोहब्बत का जश्न मनाता है और यही वजह है कि दुनियाभर के दर्शकों के दिलों को छू गया है. ये शो आज भी दमदार, मोटिवेटिंग और एनर्जेटिक स्टोरीटेलिंग की मिसाल बना हुआ है, और प्राइम वीडियो के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले इंडियन शोज़ में शामिल है. फोर मोर शॉट्र्स प्लीज का ये नया सीज़न धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है, जिसमें एक से बढ़कर एक कलाकार नज़र आएंगे जैसे सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगरू के साथ लीज़ा रे, प्रतीक बब्बर, राजीव सिद्धार्थ, अंकुर राठी और मिलिंद सोमन जैसे जबरदस्त एक्टर्स शामिल हैं. इस सीज़न को देविका भगत ने लिखा है, डायलॉग्स ईशिता मोइत्रा के हैं और निर्देशन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मातियानी ने किया है. फोर मोर शॉट्र्स प्लीज सीजन 4 जल्द ही प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव रूप से स्ट्रीम होगा.

गोल्डन ड्रेस में सोनल चौहान ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

फैंस बोले कभी भी न हटाएं!

एक्ट्रेस सोनल चौहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं. गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस में सोनल का यह फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. इन तस्वीरों में सोनल चौहान गोल्डन शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं, जो उनकी फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट कर रही है. रेड बैकग्राउंड और सॉफ्ट लाइटिंग में खिंची गई इन तस्वीरों ने उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कैप्शन लिखा - अगर आपको इनमें से एक तस्वीर हटानी हो तो आप कौन सी तस्वीर हटाएंगे?? लेकिन फैंस का कहना है कि इन तस्वीरों में से कोई भी डिलीट नहीं होनी चाहिए क्योंकि ये सभी शुद्ध सोना हैं. एक यूजर ने कमेंट किया - क्या तुम मजाक कर रहे हो? यह शुद्ध सोना है। इसे कभी मत हटाना! वहीं कई फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ उनके इस लुक की जमकर तारीफ की है. ड्रेस के साथ-साथ सोनल के मेकअप, हेयर और ज्वेलरी की भी खूब चर्चा हो रही है. उन्होंने अपने लुक को ईयररिंग्स, एक हाथ में ब्रैसलेट और सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल के साथ कम्प्लीट किया है. यह फोटोशूट फ़राज़दाक स्टूडियो द्वारा शूट किया गया है और ड्रेस सोनाक्षीराज की है, ज्वेल्स ञ्च सहगलज्वेल्स, हेयर ञ्च चेट्टियार्व्वीसली और शूज़ गिनाशूजऑफिशियल की हैं. सोनल चौहान का यह ग्लैमरस अवतार एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं.

धनुष और कृति सेनन स्टारर तेरे इश्क में की शूटिंग हुई पूरी, एक्टर ने शेयर की ब्लडी तस्वीर

अभिनेता धनुष ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी कर ली है. आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष के साथ कृति सेनन नजर आएंगी. शूटिंग खत्म होने की खुशी में धनुष ने सोशल मीडिया पर दो खूनी हाथों की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, और यह एक आवरण है . तेरे इश्क में फिल्म को रांझणा की स्पिरिचुअल सक्सेसर कहा जा रहा है, जो अधूरे प्यार, तड़प और इमोशनल कॉन्फिलक्ट की थीम को और गहराई से दिखाती है. फिल्म में एक बार फिर निर्देशक आनंद एल राय, अभिनेता धनुष और ऑस्कर विजेता म्यूजिक कंपोज़र ए आर रहमान की तिकड़ी साथ आ रही है. इससे पहले यह तिकड़ी 2021 की फिल्म अतरंगी रे में भी साथ काम कर चुकी है. फिल्म का टीज़र रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था, जिसमें धनुष को एक दीवार में आग लगाते दिखाया गया था और बैकग्राउंड में आवाज आई थी, पिछली बार तो कुंदन था, मान गया, पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे? वहीं कृति सेनन का लुक भी काफी इंटेंस दिखा था, जिसमें वह जंग के माहौल में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने को तैयार दिख रही थीं. फिल्म को गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो ने प्रेज़ेंट किया है. निर्माता आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार हैं. इसकी स्क्रिप्ट हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है. वहीं, म्यूजिक का जादू बिखेरेंगे ए आर रहमान और गानों के बोल होंगे इरशाद कामिल के. तेरे इश्क में इस साल 28 नवंबर को हिंदी और तमिल में ग्लोबल रिलीज के लिए तैयार है. फैंस बेसब्री से इस इंटेंस लव स्टोरी का इंतजार कर रहे हैं.

मालिक का ट्रेलर हुआ रिलीज, गैंगस्टर बन धमाल मचाने आ रहे राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म भूल चूक माफ में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया था। इसमें राजकुमार की जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी थी और दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई। अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है। आखिरकार अब निर्माताओं ने मालिक का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है। मालिक में राजकुमार पहली बार गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर में उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है। वह जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में राजकुमार का अनदेखा और धांसू अवतार देखने को मिलेगा। मालिक में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। ट्रेलर में राजकुमार और मानुषी की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। राजकुमार और मानुषी के अलावा प्रोसेनजीत चटर्जी भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अंशुमान पुष्कर और स्वानंद किरकिरे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में हुमा कुरैशी मेहमान की भूमिका निभा रही हैं। मालिक 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से होगा।

शादियों में पहनने के लिए बेहतरीन हैं ये 5 तरह के ईयररिंग्स, लगेंगी बहुत खूबसूरत

भारतीय शादियों में झुमकों का खास महत्व होता है। ये न केवल महिलाओं की सुंदरता को बढ़ाते हैं, बल्कि पारंपरिकता का भी प्रतीक हैं। झुमकों की अलग-अलग शैलियां और डिज़ाइन उन्हें खास बनाते हैं। चाहे आप किसी बड़ी शादी में जा रही हों या किसी छोटे समारोह में, ये झुमके आपके लुक को निखार देंगे। आइए आज हम आपको कुछ बेहतरीन पारंपरिक झुमकों के बारे में बताते हैं, जो हर शादी के परिधान के साथ जचेंगे।

चांदबाली : चांदबाली एक लोकप्रिय पारंपरिक झुमका है, जो खासकर पंजाब और उत्तर भारत में बहुत पसंद किया जाता है। इनका डिज़ाइन चाँद की तरह होता है, जिसमें सोने और मोती का उपयोग किया जाता है। चांदबाली न केवल सुंदर दिखती हैं, बल्कि इनका वजन हल्का होता है, जिससे इन्हें पहनना आरामदायक होता है। आप इन्हें किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

झुमका : भारतीय शादियों में झुमका एक अहम हिस्सा होता है। ये गोल आकार के होते हैं और इनमें अलग-अलग रंगों के स्टोन का उपयोग किया जाता है। झुमका सोने, चांदी या प्लाटिनम से बने होते हैं, जिनमें कीमती स्टोन जड़े होते हैं। ये झुमका आपके चेहरे को निखार देते हैं और किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ अच्छे लगते हैं। इनका डिजाइन इतना आकर्षक होता है कि ये किसी भी शादी के परिधान को खास बना देते हैं।

मीनाकारी झुमका : मीनाकारी एक ऐसी तकनीक होती है, जिसमें रंग-बिरंगे स्टोन का उपयोग किया जाता है। ये झुमका राजस्थान और गुजरात जैसी जगहों पर बहुत लोकप्रिय हैं। मीनाकारी झुमकियों में लाल, हरे, नीले जैसे चमकीले रंगों का उपयोग होता है, जो इन्हें बेहद आकर्षक बनाता है।

Restaurant owner kidnapped in Jaipur, Rs 3 crore ransom demanded by posing as fake NIA officer

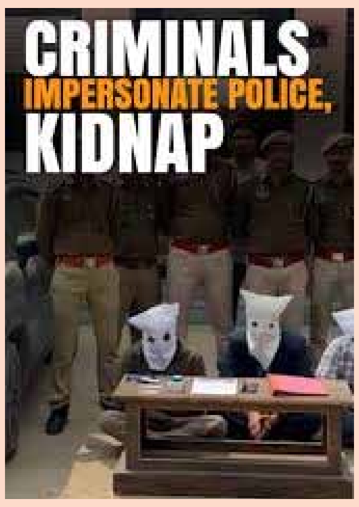

Jaipur, The capital of Rajasthan and the Pink City, famous among tourists, was shocked when a reputed restaurant owner and his friend were kidnapped in broad daylight. The kidnappers were posing as National Investigation Agency officials and were carrying fake ID cards and documents. They not only held both of them hostage but also demanded a ransom of Rs 3 crore. This heartbreaking crime ended in a filmy way—the victims saved their lives by running through the fields, and all five accused were arrested in swift action by the police. The incident began on the evening of June 28, when Sanganer resident Prabhumal Chaudhary alias PN Dudi, who was sitting in his restaurant Hub Forty in Gaurav Tower, Malviya Nagar, received a WhatsApp call from his acquaintance Mukesh Ranwa. Mukesh asked Prabhumal to meet him at a nearby showroom. When Prabhumal reached there, Mukesh and four others surrounded him, beat him up and forcibly made him sit in the car. All this happened suddenly and Prabhumal did not understand what was going on. The miscreants asked him for information about his friend Sushil. Prabhumal was forced to call Sushil. Sushil was in a five star hotel at that time. After reaching there, the kidnappers put him in the car and started taking both of them out of Jaipur. The car was moving towards Ajmer Road. On the way, the miscreants beat both of them, snatched their mobiles and other belongings, tied a black cloth on their mouths and tied their hands with ropes. During this entire process, they introduced themselves as HRD officers. They showed ID cards, which looked real at first glance. Not only this, they also allegedly showed NIA files in which their names were recorded as Jitendra Singh, Vidhadatta, Anil, Aamdev and Manoj Kumar. Both of them were taken around on the Ajmer-Bhilwara highway for about three hours. They were taken to a deserted place and made to fill some forms and sign several blank papers. All this was part of a conspiracy to mentally intimidate them and blackmail them with some fake documents. After this, the criminals threatened both of them and said that if they want to be saved, they will have to pay a ransom of three crore rupees. The frightened Prabhumal and Sushil replied that they can arrange up to fifty lakh rupees. On hearing about the money, the kidnappers softened a bit and asked them to call their mobile phones and talk to their family members. They took them to a hotel near Bhilwara highway, where as soon as they switched on the mobile, calls started coming continuously. At that time, the family members suspected something bad and informed the police. But before the police could reach, Prabhumal and Sushil saw the opportunity and planned to escape. As soon as they left the hotel, they ran into the nearby fields and somehow saved themselves. After coming out of the fields, both of them took help from the local people and then returned to Jaipur. They went to Jawahar Circle police station and registered the entire case. On the basis of this report, the police immediately swung into action and arrested the five accused by raiding different places. Investigation revealed that the accused had hatched the entire conspiracy as per a well-planned strategy. They may be part of a professional gang that targets businessmen and wealthy people, kidnaps them by claiming to be officers of the RBI, RBI or RR, and threatens them, and tries to extract huge amounts of money from them. The police have taken the arrested accused on remand and started questioning them.

Terror of stray dogs in Amethi, attacked 18,907 people in 6 months

Amethi, In the scorching heat of Amethi district of Uttar Pradesh, the terror of stray dogs has become a new problem for the people. From the city streets to the village trails, packs of dogs are attacking passersby. More than 18 thousand dog bite cases between January and June are quite frightening. People are also unhappy with the administrative system. Every day 8 to 10 people are reaching the district hospital with complaints of dog bites. With the increase in heat, the behavior of these dogs is becoming more aggressive, which has created panic among the people. Chief Medical Officer Dr. Anshuman Singh said that from January 1 to June 30, 18,907 people have been attacked by dogs in the district. During this period, 18,907 anti-rabies injections were administered in the hospital. He said that rabies can be prevented by getting timely injection after dog bite. There is adequate arrangement of anti-rabies injection in the district hospital, but the increasing number of cases has raised concern. Local resident Satish Srivastava said that the terror of stray dogs is increasing day by day. Children, elderly and passersby are their targets every day. He has demanded immediate action from the administration. People say that there is no system to catch dogs neither in the villages nor in the city. The local people are a little angry. It is alleged that in big cities there are animal control teams and sterilization programs to deal with the problem of stray dogs, but no such system is seen in Amethi. At the same time, people are demanding from the administration that concrete steps should be taken to catch the dogs and vaccinate them. If action is not taken soon, the situation may worsen. This problem is not limited to Amethi only, but such a situation exists in many small cities and towns as well.

Battle over 'Kanwar Yatra': SP raised questions on 'name plate', BJP said- want to throw the state into the fire of riots

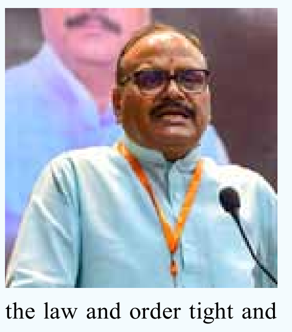

Lucknow, The Uttar Pradesh government has decided that it will be mandatory for all shops located on the Kanwar Yatra route to display the name and identity of the owner on their signboards. Opposition parties including the SP have raised questions on this decision. However, Deputy CM Brajesh Pathak in the UP government hit back at the opposition and accused the Samajwadi Party of appeasement politics in the state. Deputy CM Brajesh Pathak while talking to the media on Thursday said, Samajwadi Party people have always been doing politics of appeasement in the state. They have a long history of appeasement. Our commitment is to keep the law and order tight and we will maintain law and order in every situation. Arrangements will be made so that our brothers who go on Kanwar Yatra for religious purposes do not face any problem. Along with this, arrangements will also be made to ensure that the food and drink shops are pure during the fast. He said, every buyer has the right to know who the seller is and from whom he is buying the goods. By raising this issue, Samajwadi Party is only doing politics. We have heard the statements of SP leaders. Their aim is to implement Sharia law in the country and the state. SP wants to throw the state into the fire of terror and riots. I ask that if someone is selling food items, then what is the problem in writing his name? The statements of the people of Samajwadi Party are condemnable and the people of the state will never forgive them. Dayashankar, a minister in the UP government, said, I think no one should have any objection in revealing their identity. I myself am a minister and wherever I go or stay, I am asked for my identity card and I show it too. There is nothing insulting in this. Hiding one's identity is wrong because when people hide their identity, wrong elements also enter. Reacting to the statement made by former Samajwadi Party MP ST Hasan on Kanwar pilgrims, Minister Anil Rajbhar said, if the government is working to ensure the safety of our devotees participating in the holy Kanwar Yatra in the holy month of Sawan, then why is anyone having a problem with this? Why should we not monitor what is being served to them? I ask what is the compulsion behind hiding the name? This mentality of terrorism never leaves such people, they always speak like terrorists.

Aditya Thackeray gets clean chit in Disha Salian case, Rohit Pawar said- those doing politics on this should apologize

Mumbai, NCP (SP) MLA Rohit Pawar has given a statement on Shiv Sena (Uttar Pradesh) leader Aditya Thackeray getting a clean chit in the Disha Salian death case of Maharashtra. He said that we had already said that there is no connection between them. NCP (SP) MLA Rohit Pawar said, we have been saying from the beginning that there was no connection between Aditya Thackeray and Disha Salian. Disha Salian took her own life due to family issues. It is very wrong to use the name of a woman who is no longer in this world for political gain. Many leaders from BJP and Eknath Shinde's side politicised the issue and we told at that time also that there is no connection between them. From Bihar to Maharashtra elections, his (Aditya Thackeray's) name was linked with this issue. He further said, Chief Minister Devendra Fadnavis is also the Home Minister of the state and his department has told the court that there was no relationship between Aditya Thackeray and Disha Salian. I would say that the leaders who have done politics on this issue should come in front of the media and apologize. If they do not do so, then the government should take strict action against them. MLA Rohit Pawar, while showing a banner against Agriculture Minister Manikrao Kokate in the Maharashtra Assembly, said, Kokate handles a very important ministry, but no work is being done in his department. Maharashtra has an agriculture-based economy, where the number of farmers is very high. If the Agriculture Minister works inefficiently, it directly affects the farmers and the common people. If we look at Kokate's statements, he has made statements against the farmers. In view of his statements, I have shown the poster. Rohit Pawar raised questions on the law and order situation in Maharashtra regarding the rape of a girl by a courier boy in Pune. He said, incidents of molestation and rape of girls keep coming to light in Maharashtra. What has happened in Pune is condemnable. Criminals feel that the police cannot do anything to them, so they commit such incidents.

India's global identity: PM Modi awarded highest civilian honour in Ghana, so far 24 countries have honoured him

New Delhi, India's growing credibility on the international stage and Prime Minister Narendra Modi's diplomatic skills have taken the country to new heights. The latest example of this was seen in July in Ghana's capital Accra, where PM Modi was awarded Ghana's highest civilian honour 'Officer of the Order of the Star of Ghana'. This honour is rarely given to foreign leaders and is a symbol of the strong India-Ghana relations. The visit of an Indian Prime Minister to Ghana after 30 years further deepened the historical ties between the two countries. Addressing the Parliament of Ghana, PM Modi said, the relationship between India and Ghana is not limited to diplomacy but it is based on the foundation of mutual trust and shared values. This honour is a proud moment for the people of India. He emphasized on India-Africa cultural engagement and shared journey of development. PM Modi has so far received the highest honours from 24 countries, which is a record for any Indian leader. These include the 'Order of St. Andrew' of Russia, 'Zayed Medal' of UAE, 'Grand Cross of the Legion of Honour' of France, 'Rule of Izzuddin' of Maldives and prestigious awards from countries like Nigeria, Cyprus and Fiji. The United Nations also honoured him with the 'Champion of the Earth' award for environmental protection. These awards are not just a personal achievement but also a reflection of India's growing global power and influence. Under the leadership of PM Modi, India has strengthened the voice of the global south by adopting the spirit of 'Vasudhaiva Kutumbakam'. His foreign visits have become a medium for new business opportunities, investments and cultural exchange. This honour from Ghana underlines India's global leadership role. PM Modi has not only established India as a powerful nation, but he has also become an inspiration for developing countries. His diplomacy has made India a trusted and influential partner on the global stage. This honour is a testimony to India's emerging stature and confidence, which will become stronger in the times to come.

Majithia did not get relief from the High Court, hearing will be held again tomorrow; Mohali court did not issue order

Chandigarh, Bikram Singh Majithia, arrested in the disproportionate assets case, has not yet got any immediate relief from the Punjab and Haryana High Court. Hearing his petition, the High Court said that Majithia has been remanded again yesterday. But the new remand orders given by the Mohali court have not been issued yet. On this, the government lawyer said that the order will come by 2 pm today. After this, the court has now decided to hear the case tomorrow. Akali Dal lawyer Arshdeep Singh Kaler said that the remand order has not come. In such a situation, the case will be heard tomorrow.Majithia has termed the arrest illegal in the petition and has demanded cancellation of the remand order. Majithia says that he has been kept in police custody wrongly. Akali Dal says that this case has been registered on the basis of a rejected report which was cancelled by the Supreme Court. Earlier on July 2, Majithia was produced before the court after his seven-day remand ended. The court said that the vigilance department has brought forth new facts about his property in the investigation. It also said that the matter has to be investigated by going to Gorakhpur, UP. The court has given him a four-day remand after hearing all the facts.

SpiceJet plane's window frame broke off in mid-air, company claims 'passenger safety was never in danger'

New Delhi, An incident occurred during a flight on SpiceJet's Q400 aircraft, when a cosmetic window frame became loose and broke off. After this, a formal statement has come from SpiceJet. The statement states that this frame was a non-structural component, intended to provide shade on the window, and it did not affect the safety or structure of the aircraft. The cabin pressure remained normal during the flight and the safety of the passengers was never in danger. Let us tell you, the Q400 aircraft has many protective window panels, the function of the outer panel of which is to bear the pressure. This ensures that even if any cosmetic or superficial component of the aircraft becomes loose, the safety of the passengers is not affected. The loosening of this component was just a minor problem, which does not affect the structure of the aircraft and the safety of flight. After the incident was reported, SpiceJet's technical team thoroughly inspected the aircraft and the window frame was repaired as soon as the aircraft landed at the next station. This repair was part of the normal maintenance process, and there was no disruption to aircraft operations. SpiceJet gave details about the incident. It claimed that it had no effect on the normal flight conditions of the aircraft and the safety of the passengers. The airline also clarified that this component was just a cosmetic part, which was intended only to enhance the beauty of the window and had no role in the safety system of the aircraft. Let us tell you, the video of this incident started going viral on social media. Social media users started giving different reactions to this viral video.

Terror due to double murder in Delhi: When the mistress scolded the servant, he killed the mother and son, the accused has been arrested

New Delhi, People are in panic due to double murder in the national capital Delhi. A woman and her son were murdered inside their house in Lajpat Nagar. The murderer slit the throat of the mother and son, which led to their death. One accused has been arrested in this double murder case. Delhi Police confirmed this. At present, the deceased have been identified as 42-year-old Ruchika Sewani and her 14-year-old son Krish Sewani, residents of Lajpat Nagar-1 area. Ruchika Sewani used to run a garment shop in Lajpat Nagar market with her husband. Son Krish Sewani was a class 10 student. Police said on Thursday that one of the accused was arrested when he was trying to escape to another place.

According to Delhi Police, 44-year-old Kuldeep, a resident of Lajpat Nagar, called the police at around 9:45 pm on Wednesday night. Kuldeep told the police that his wife and son were not answering the calls. The door was closed. There were blood stains on the gate and stairs. On Kuldeep's information, a team of Delhi Police reached the spot. The team forcibly opened the gate of the house, where the bodies of the woman and the child were lying inside. The bodies were soaked in blood. The police first took possession of the bodies and sent them for post-mortem. During the initial investigation, Delhi Police came to know about the servant, who was missing at that time. Delhi Police said that 24-year-old Mukesh worked as an assistant at a garment shop. He is a resident of Hajipur in Bihar. He was living in Amar Colony in Delhi. He was arrested while fleeing during the murder. Police is currently engaged in further action.